राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 17 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-324 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में एक और दुष्कर्मी को सुनाई गई मौत की सजा

दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या कर दी थी

क्रांति समय,सूरत

सूरत, सूरत की अदालत ने एक दुष्कर्मी को फांसी की सजा सुनाई है। वडापाउं खिलाने की लालच देकर अपने साथ 10 साल की किशोरी को ले जाकर आरोपी ने उसके साथ पहले दुष्कर्म किया और बाद में उसके सिर पर ईंट मारकर मौत के घाट उतार दिया था। एक साल चली सुनवाई के बाद सूरत की कोर्ट ने गत 10 दिसंबर को आरोपी को दोषी करार दिया था और सजा के लिए 16 दिसंबर मुकर्रर की थी। सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में 10 साल की किशोरी 7 दिसंबर 2020 को अपने ताऊ के घर के बाहर अकेली खेल रही थी। उस वक्त दिनेश दशरथ बैसाणे नामक शख्स वडापाऊं खिलाने की लालच देकर किशोरी को अपने साथ उधना बीआरसी कंपाउंड लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रीयल पार्क के सामने झाडियों में ले गया। जहां किशोरी के साथ दिनेश बैसाणे ने दुष्कर्म किया। विरोध करते हुए जब किशोरी ने दिनेश की ऊंगली पर काट लिया तो गुस्साए दिनेश बैसाणे ने उसके सिर ईंट से 7 जितने वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। किशोरी के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी दिनेश बैसाणे के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म, हत्या और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। दिनेश के खिलाफ दफा 302, 376-एबी, 363 और 366 के अंतर्गत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने 15 दिन के भीतर आरोपी दिनेश के खिलाफ 232 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में पेश कर दी। पुलिस ने अदात के समक्ष 36 गवाह, सीसीटीवी फूटेज, डीएनए समेत अन्य प्रमाण कोर्ट के समक्ष पेश किए। सरकारी वकील नयन सुखडवाला ने कहा कि पूरे मामले में आरोपी जिस प्रकार किशोरी को ले जा रहा था वह सीसीटीवी फूटेज से लेकर घटनास्थल जहां उसके साथ दुष्कर्म किया वहां से भी कई प्रमाण मिले हैं जो सभी आरोपी के खिलाफ हैं। पोस्टमार्टम और डीएनए में स्पष्ट हो गया कि किशोरी के साथ दुष्कर्म किया गया और बाद में हत्या कर दी। दोनों पक्षों की दलीलें खत्म होने के बाद 10 दिसंबर को सूरत की अदालत ने आरोपी दिनेश बैसाणे को दोषी करार दिया और सजा के लिए 16 दिसंबर की तारीख मुकर्रर की थी। सूरत के सेकंड एडिशनल जज एनके अंजारिया 10 साल की किशोरी से दुष्कर्म उसकी हत्या के दोषी दिनेश बैसाणे को फांसी की सजा का आदेश दिया है।

गुजरात की कंपनी में धमाके के बाद लगी आग,2 की मौत 30 घायल

धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां पहुंचीं

पंचमहाल,गुजरात के पंचमहाल जिले में फ्लोरा कंपनी के सॉल्वेंट प्लांट में ब्लास्ट के बाद आग लग गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि ३० श्रमिक बुरी तरह से जख्मी हो गए। गुजरात के पंचमहाल जिले के घोघंबा गांव के पास स्थित फ्लोरा कंपनी के सॉल्वेंट प्लांट में गुरुवार सुबह अचानक धमाका हुआ और भीषण आग लग गई। धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी गई तथा उसके बाद प्लांट में आग लग गई इस हादसे में लगभग 30 श्रमिक जख्मी हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल भेजा गया है। जिला पुलिस अधीक्षक एवं अन्य पुलिस के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां भी आग पर काबू पाने के लिए घटनास्थल पर पहुंची। घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस एवं फायर ब्रिगेड के कर्मचारी राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार धमाके के साथ ही आग तेजी से फैलती चली गई। हालांकि ये हादसा सुबह के समय हुआ था इसलिए कंपनी में श्रमिकों की संख्या कम थी। आग लगते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया क्योंकि इस कंपनी के पास अन्य कंपनियों के भी प्लांट बने हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पंचमहल जिला पुलिस, कलेक्टर और एसडीएम भी घटनास्थल पर पहुंच गए। मौके पर मौजूद दमकल वाहनों ने आग को काबू कर फैलने से रोका। आग बुझाने के लिए कालोल और गोधरा से भी दमकल वाहन बुलाये गए। दमकल कर्मियों की सूझ-बूझ से आग को जल्द ही प्लांट से बाहर फैलने से रोक लिया गया। इस कंपनी में रेफरन गैस के कई टैंक भरे हुए थे अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो हादसा और बड़ा हो सकता था। दमकल कर्मियों का कहना था कि अगर इनमें आग लगा जाती तो आग पर काबू करना मुश्किल हो जाता और पूरे इलाके में ही आग फैल जाती।

पेपर लीक मामला

असित वोरा को हटाने और जांच के लिए एसआईटी के गठन की मांग

गांधीनगर,गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ओर से आयोजित हेड क्लर्क की परीक्षा के पेपर लीक होने का मामला गरमाता जा रहा है। विद्यार्थी नेता युवराजसिंह ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन करने और गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा को हटाने की मांग की है। साथ ही 72 घंटों में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के साथ बैठक करने की ईच्छा जाहिर की है। ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है। बता दें कि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा गत 12 दिसंबर को हेड क्लर्क की परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा के पेपर लीक होने की मीडिया रिपोर्ट के बाद बुधवार को मंडल के अध्यक्ष असित वोरा ने पत्रकार परिषद की और कहा कि उन्हें इस बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने के कोई ठोस प्रमाण भी नहीं मिले हैं। यदि पर्चा लीक हुआ है तो इसके दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। असित वोरा की पत्रकार परिषद के बाद विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाडेजा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पूरे मामले में मंडल के अध्यक्ष असित वोरा की भूमिका को संदिग्ध करार दिया। साथ ही कहा कि पेपर लीक मामले के सबूत मंडल के सचिव के आर परमार को दिए हैं। आज विद्यार्थी नेता ने सरकार को पेपर लीक मामले में कार्यवाही करने का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ऑफीस में सबूत देंगे। असित वोरा इस मामले में संदेह के दायरे में होने का आरोप लगाते हुए विद्यार्थी नेता ने उन्हें हटाने की मांग की। साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन करने की भी मांग। युवराजसिंह जाडेजा ने गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि 72 घंटे में उनके साथ बैठक करने की इच्छा है। यदि 72 घंटे में हर्ष संघवी के साथ बैठक नहीं हुई तो विद्यार्थी, अभिभावक, शैक्षिक, सामाजिक संगठनों को साथ लेकर गांधीनगर में उग्र आंदोलन करेंगे।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

सुविचार

मनुष्य का सच्चा जीवन साथी विद्या ही है, जिसके कारण वह विद्वान कहलाता है। - स्वामी दयानन्द

संपादकीय

आरक्षण के आंकड़े

अन्य पिछड़ा वर्ग को स्थानीय एवं पंचायत चुनावों में 27 प्रतिशत आरक्षण देने की महाराष्ट्र सरकार की कोशिश पर यदि सुप्रीम कोर्ट ने लगाम लगा दी है, तो कोई आश्चर्य नहीं। दरअसल, कुछ राज्य सरकारों का जो काम करने का रवैया है, उसमें यदा-कदा सुप्रीम कोर्ट के प्रति एक उदासीनता का भाव दिखता है। मोटे तौर पर सुप्रीम कोर्ट को अन्य पिछड़ा वर्ग या ओबीसी को स्थानीय या पंचायत चुनावों में आरक्षण देने पर कोई आपत्ति नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे बड़े राज्यों सहित ऐसे कई राज्य हैं, जहां पहले से ही ओबीसी को यह आरक्षण कमोबेश हासिल है। महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपने फैसले को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन कोर्ट ने उचित ही अतिरिक्त उदारता दिखाने से इनकार कर दिया। इसी महीने 6 दिसंबर को कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के फैसले पर रोक लगा दी थी और अब राज्य सरकार को ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षित सीटों को जिला परिषद एवं पंचायत समितियों के लिए सामान्य श्रेणी में बदलने व नई अधिसूचना जारी करने का आदेश दिया है। अब राज्य सरकार या तो बिना ओबीसी आरक्षण के चुनाव कराएगी या हो सकता है कि कुछ समय के लिए चुनावों को टाल देगी। इन दिनों स्थानीय चुनावों में ओबीसी को आरक्षण एक अहम विषय बना हुआ है, लेकिन इससे जुड़े दो-तीन कमजोर पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए। अव्वल तो आरक्षण देने के प्रति सरकारों को राजनीतिक वजहों से बहुत जल्दी रहती है। इस जल्दी की वजह से वे विधि-सम्मत समावेशी प्रक्रियाओं का पालन करने के बजाय अध्यादेश का सहारा लेती हैं। महाराष्ट्र सरकार ने भी अध्यादेश का ही सहारा लिया। सुप्रीम कोर्ट ने उसे यथोचित आंकड़े जुटाने के लिए आयोग गठित करने को कहा था। आयोग का गठन तो किया गया, पर उसके लिए कोई बजट पारित नहीं किया गया। इसी वजह से सर्वोच्च अदालत की नाराजगी सामने आई है। इस मामले में दूसरा कमजोर पहलू यह है कि हमारी सरकारों का आंकड़ों से लगाव निरंतर कम हो रहा है। सरकारें इस पक्ष को नजरअंदाज करने लगी हैं कि किसी भी कानून या नीति निर्माण के लिए पुख्ता आंकड़े सबसे जरूरी हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले से आंकड़ों की उपयोगिता फिर उजागर हुई है। तमाम सरकारों को यह समझ लेना चाहिए कि किसी भी वर्ग के लिए पर्याप्त आंकड़ों के बगैर आरक्षण का प्रावधान न हो। ऐसा लगता है कि यह बाध्यता अब हर राज्य में स्थानीय चुनावों पर लागू होगी। हर राज्य को जातिगत आंकड़े रखने पड़ेंगे। सिर्फ अनुमान के आधार पर आरक्षण निर्धारित करने का दौर खत्म होने वाला है। अगर भविष्य के सभी चुनावों पर यह आदेश लागू हुआ, तो जिस वर्ग को जितनी जरूरत है, उतना आरक्षण देने की ओर हम बढ़ चलेंगे। अपने देश में आर्थिक-सामाजिक न्याय केवल चुनावी राजनीति के बूते नहीं हो सकता, इसके लिए तंत्र की अपनी पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए। केंद्र सरकार को इस बाबत एक संविधान सम्मत फॉर्मूला तय करना चाहिए। अलग-अलग राज्य के अलग-अलग जातिगत हालात के हिसाब से जरूरतमंदों को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। आरक्षण व्यवस्था किसी का अधिकार या संसाधन छीनने का माध्यम न बने, बल्कि इसमें अधिकार व संसाधन जरूरत के हिसाब से साझा करने की शालीनता सुनिश्चित होनी चाहिए।

आज के कार्टून

वृक्षारोपण

जग्गी वासुदेव/ चालीस साल पहले, मैं जब एक फार्म में रहता था, तो देखता था कि सभी किसानों के खेतों में कुछ पेड़ जरूर होते थे। ये किसान के लिये एक तरह से बीमे जैसा था। यह संस्कृति खास तौर पर कर्नाटक में थी कि उन पेड़ों को वे अपने बेटों, बेटियों के नाम दे देते थे। जब एक बेटी के विवाह का अवसर आता था तो वे एक पेड़ काट डालते और उससे सारा खर्च निकल जाता था। अगर बेटे को उच्च शिक्षा के लिये यूनिर्वसटिी जाना होता तो एक और पेड़ से उसका भी खर्च निकल आता। खेतों पर हमेशा पेड़ होते ही थे। लेकिन 40 साल पहले रासायनिक खादों की कंपनियों ने भारत के गांवों में ऐसा प्रचार करना शुरू किया कि अगर आप खेतों पर पेड़ रखेंगे तो उनकी जड़ें सब खाद खा जाएंगी और फसल कमजोर होगी। तो उन्होंने किसानों को पेड़ काट डालने के लिये तैयार किया। ये सोच कर कि रासायनिक खादें पेड़ों पर व्यर्थ हो जाएंगी, हमने लाखों पेड़ काट दिए। आज परिस्थिति ये हो गयी है कि हमारा पानी का प्रत्येक स्रेत- चाहे जमीन के नीचे का पानी हो या नदियों का- कम हो रहा है। उसका कारण ये है कि भले ही पिछले 100 सालों से, सारे उपमहाद्वीप में, बरसात लगभग एक जैसी ही हो रही है, पर पेड़ों के न रहने से जमीन के अंदर पानी को रोक कर रखने की हमारी क्षमता समाप्त हो गयी है। जब बरसात होती है तो पानी रुकता नहीं, बह जाता है और बाढ़ आ जाती है। और फिर जब बरसात खत्म हो जाती है तो सूखा पड़ जाता है। यदि आप आज के जल संकट के बारे में विचार करें तो 1947 में, देश में प्रति व्यक्ति जितना पानी था, आज उसका 25% ही उपलब्ध है। यह प्रगति नहीं है। यह तो कोई विकास नहीं है। तमिलनाडु के कई शहरों में बहुत समय से ऐसा हो रहा है कि लोग तीन दिनों में एक ही बार नहाते हैं। तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सारा पानी बह कर तेजी से नदियों में न पहुंच जाए। यह करने का एक ही रास्ता है कि हमारी जमीन पर ज्यादा से ज्यादा पेड़ हों। यह कोई रॉकेट विज्ञान नहीं है। यह मेरा मुख्य उद्देश्य हो गया है। मैं सारे विश्व को, संयुक्त राष्ट्र संघ को, केंद्र सरकार को, राज्य सरकारों को यही कह रहा हूं। बड़े बांध, रोधी बांध, बराज ये सब पानी के उपयोग के लिये ठीक हैं पर आप इनसे पानी की मात्रा नहीं बढ़ा सकते। जमीन के अंदर पानी को रोकने का सिर्फ एक ही तरीका है- पेड़ लगाना। इसीलिये, हमनें कावेरी पुकारे अभियान शुरू किया है।

सेना को वक्त की चाल में ढालेगी समृद्ध विरासत

ले. जनरल प्रदीप बाली (अप्र)

जनरल बिपिन रावत 8 दिसम्बर को इतिहास के नायकों में शामिल हो गए। बतौर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और पूर्व सेनाध्यक्ष रहते, वे सैन्य बलों की सोच और ढांचे में परिवर्तन का प्रतीक बने, जिसका वह नेतृत्व कर रहे थे। देश के पहले सीडीएस का व्यथित करने वाला निधन बहुत बड़ा हादसा है, तथापि उनके द्वारा शुरू आधुनिकीकरण की प्रक्रिया और सेना के तीनों अंगों की संयुक्त कमान तंत्र बनाने का काम जारी रहेगा। आधिकारिक और निजी तौर पर उनको पास से जानने की वजह से मैं उनकी विलक्षण खूबियों और पीछे छोड़ी विरासत पर रोशनी डालना चाहूंगा। जनरल बिपिन रावत पूर्व उप-सेनाध्यक्ष ले. जनरल लक्ष्मण सिंह रावत के पुत्र थे, वर्दी में उन्होंने अपने करिअर को सर्वोच्च ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जिसकी शुरुआत सोर्ड ऑफ ऑनर पाने से हुई, जो भारतीय सैनिक अकादमी में सब विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जेंटलमैन कैडेट को सेना में कमीशन प्राप्त करने वाले समारोह में प्रदान की जाती है। प्रशिक्षण के सभी महत्वपूर्ण कोर्सों में खास मुकाम पाने और पढ़ाई में डॉक्टरेट स्तर की योग्यता पाने वाले बिपिन रावत ने थल सेना की विभिन्न वाहिनियों में काम करते हुए, जिनमें कुछ तैनातियां सबसे विकट एवं चुनौतीपूर्ण जगहों पर थीं, अपने नेतृत्व और सैन्य माद्दे का लोहा मनवाया। उन्होंने कांगों में संयुक्त राष्ट्र बल में भारत की ओर से तैनात ब्रिगेड ग्रुप का नेतृत्व भी किया था। इन नियुक्तियों में जो विशेषता उन्हें औरों से जुदा करती है, वह है किसी भी परिस्थिति को तुरंत आंकना और उस पर काबू पाने की क्षमता, अपने जवानों की अगुवाई करने वाले किसी में यह खूबी होना नितांत जरूरी है। उच्च स्तर पर उनके सैन्य नेतृत्व क्षमता की बात करें, तो वह ऐसे नायक थे जो जरूरत आन पड़ने पर निर्णय लेते और उसे अंतिम ध्येय तक पहुंचाते थे। उनके नेतृत्व में मैंने एक वाहिनी (कोर) की अगुवाई की है, एक बार उन्हें यकीन हो जाए कि चुनी गई डगर सही है, तो चाहे कुछ हो जाए, मंजिल पाने को उनकी निर्णायक प्रतिबद्धता की कोई भी कसम उठा सकता है। उनके विलक्षण गुणों में एक यह भी था कि किसी प्रस्ताव को सुनते वक्त या पेश की गई प्रस्तुति के वक्त अपना ध्यान केंद्रित रखते हुए दोगुणी तेजी से फैसला लेना। हमारी पूरी सीमा रेखा पर तमाम दुरूह जगहों पर खुद तैनात रह चुके जनरल रावत के ज़हन में दूरस्थ इलाकों में फर्ज निभा रहे जवानों और फील्ड कमांडरों का ध्यान बना रहता था। सितम्बर, 2016 में जनरल रावत सेना मुख्यालय में बतौर उप-सेनाध्यक्ष नियुक्त होकर आए थे और महत्वपूर्ण दफ्तरी कामकाज में जिस तरह तुरंत बदलाव आया, वह देखते बनता था। सभी मातहतों की अपने तक पहुंच आसान बनाकर और जटिल विषयों को तन्मयता से सुलझाने के उनके विशिष्ट तरीके ने बहुत बड़ा फर्क लाया। बतौर डायरेक्टर जनरल ऑफ पर्सपेक्टिव प्लानिंग का मुखिया रहते मुझे भविष्य के पर्सपेक्टिव प्लान पर उनका सकारात्मक दखल आज भी याद है। उनमें किसी की बात सुनने की सहनशीलता गजब की थी और व्यवहार अधिकांशतः मिलनसार था। लेकिन मजाल है कोई विषय उनकी प्रबुद्ध परख से गुजरे बिना रह जाए। जनवरी, 2017 में सेनाध्यक्ष का पद संभालने के बाद मानेकशॉ सभागार में होने वाले रिवायती पत्रकार वार्ता वाले क्षण परिभाषित करने वाले थे। संवाद बेलाग था और यह एकदम साफ हो गया था कि अब ऐसा सेनाध्यक्ष है, जो अपनी धारणा पर अडिग है, जरूरत पड़ने पर कड़क होने से नहीं टलेगा और अपने मन की बात सीधे और बेधड़क होकर कहने में हिचकेगा नहीं। सेना का आधुनिकीकरण और तंत्र की पुनर्संरचना को आकार देने और मार्गदर्शन में उनके दूरदृष्टिपूर्ण गुण सदा आगे रहे। अब देश का ऐसा सेनाध्यक्ष भी था, जिसे सही को सही और गलत को गलत कहने में कोई गुरेज नहीं था और जो गलत आचरण की गुंजाइश देने वाले तौर-तरीके बदलने को सुधारों का हामी था। वैसे तो इतने उच्च पद पर आसीन किसी व्यक्ति से शुचिता की उम्मीद सबको रहती है, लेकिन उनके आने पर यह बात एकदम साफ हो गई थी कि किसी प्रकार की नैतिक अथवा वित्तीय गड़बड़ी के प्रति सहनशीलता शून्य है। सुरक्षा बलों में सद् चरित्र बनाने की दिशा में सेनाप्रमुख की यह विशेषता काफी गहरे तक असरअंदाज होती है। हो सकता है उनका यह अंदाज़ कुछ असंतुष्ट तत्वों-सेवारत और सेवानिवृत्त को रास न आया हो और उन्होंने पर्दे के पीछे रहते हुए सोशल मीडिया को अपनी बेजा भड़ास निकालने का जरिया बनाया। तथापि जनरल रावत ऐसे बंदे नहीं थे जो ऐसे किसी दुष्प्रचार से डिग जाते। जब डोकलाम संकट जोरों पर था, तब जनरल रावत की निगरानी में मुझे सिक्किम स्थित 33 कोर की कमान सौंपी गई। अपने स्टाइल के अनुरूप उन्होंने करारे और स्पष्ट शब्दों में कहा 'तुम्हें भागते घोड़े पर सवार होना है', हालांकि जो उन्होंने नहीं कहा किंतु शारीरिक भंगिमा व्यक्त कर रही थी 'और मुझे तुम पर यकीन है'। यही वह विशिष्ट खासियत है जो जनरल रावत को न केवल एक फौजी का जनरल बल्कि कमांडर का जनरल भी बनाती है! उस मौके पर मुझे उनके अंदर वह क्षमता देखने को मिली जो फील्ड में तैनात कोर कमांडर को स्पष्ट निर्देश भी देती है और उसका हाथ भी मजबूत करती है। जनरल रावत महत्वपूर्ण सैन्य मामलों पर विमर्श, चाहे विषय कार्यकारी हो या प्रशासनिक, में शामिल किसी को भी अपने खोजपूर्ण और तीखे सवालों से निढाल कर देते थे। लेकिन एक बार यकीन होने के बाद संगठनात्मक हितों को सबसे आगे रखकर लिए उनके निर्णय एकदम सुस्पष्ट हुआ करते थे। नियति ने उनके लिए और बहुत कुछ तय कर रखा था, जब देश के पहले सीडीएस का ऊंचा ओहदा मिला। उनके करिअर ग्राफ, दिमागी और दिली खूबियों को देखते हुए इस कष्टसाध्य नियुक्ति के लिए कोई और उनसे बेहतर पात्र था भी नहीं। यहां फिर, जनरल रावत ने सम्मुख चुनौतियों और लंबित कार्य पर पकड़ बनाई। सशस्त्र बलों के लिए युद्धक व्यूह-तंत्र की पुनर्संचरना की खातिर मिशनरी लगन होना वक्त का तकाज़ा था और पिछले दो सालों से इस दिशा में उनके अनवरत प्रयासों से काफी हासिल हुआ है। बहुत जल्द थल-नभ-वायुसेना की संयुक्त कमान का वजूद एक हकीकत होगी और जनरल रावत की विरासत इसके जरिए जिंदा रहेगी। भारत ने एक महान योद्धा और सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर खोया है, लेकिन उनकी गाथा प्रेरणा का स्रोत और दृष्टिकोण सशस्त्र बलों के तंत्र-आधुनिकीकरण के रूप में अमर रहेगा।

लेखक सिक्किम स्थित 33वीं कोर के कमांडर रहे हैं।

काशी का सांस्कृतिक संदेश

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

भगवान शिव की नगरी के रूप में काशी आदिकाल से विश्व में प्रतिष्ठित रही है। विश्वगुरु भारत की यह सांस्कृतिक राजधानी हुआ करती थी। अनेक देशों के लोग यहां ज्ञानार्जन हेतु पहुंचते थे। भगवान शिव की कथा में काशी और गंगा जी का प्रसंग रहता है। हजार वर्ष पहले गंगा जी के तट पर दिव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम मंदिर का निर्माण किया गया था। यह भारतीय संस्कृति का महान केंद्र था। इसलिए विदेशी आक्रान्ताओं का कहर भी काशी पर रहा। नरेंद्र मोदी ने काशी को क्रेटो की भांति विश्वस्तरीय सुविधाओं से सम्पन्न बनाने का संकल्प लिया था। जिससे दुनिया के प्रमुख तीर्थ व पर्यटन स्थल के रूप में इसकी पहचान कायम हो सके। यह मात्र धार्मिक आस्था का विषय नहीं है। पर्यटन विकास से अर्थव्यवस्था को लाभ होता है। बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में रोजगार का सृजन होता है। लेकिन भारत में तीर्थ स्थलों के विकास का ऐसा विजन कभी नहीं रहा। इस विषय को सांप्रदायिक मान लिया गया। नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की सरकार ने इस धारणा को बदल दिया। इनके कार्यकाल में तीर्थ स्थलों का अभूतपूर्व विकास किया जा रहा। भव्य दिव्य प्रयागराज कुंभ के आयोजन का भी यही संदेश था। अयोध्या जी में श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का लोकार्पण शामिल है। कुछ वर्ष पहले तक इस स्वरूप की कल्पना भी संभव नहीं थी। काशी विश्वनाथ को यथास्थिति में ही स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकल्प की तलाश की। इस पूरे स्थल को भव्य दिव्य बना दिया गया। पहले यहां मंदिर क्षेत्र केवल तीन हजार वर्ग फीट में था। अब यह करीब पांच लाख वर्ग फीट हो गया है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि विश्वनाथ धाम का यह पूरा नया परिसर एक भव्य भवन मात्र नहीं, बल्कि यह भारत की सनातन संस्कृति का प्रतीक है। यह हमारी आध्यात्मिक आत्मा का प्रतीक है। यह भारत की प्राचीनता और परंपराओं का प्रतीक है। यह भारत की ऊर्जा व गतिशीलता का प्रतीक है। यहां केवल आस्था के दर्शन होंगे। बल्कि यहां अपने अतीत के गौरव की अनुभूति होगी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर को गंगा नदी के तट से जोड़ने का अद्भुत कार्य वर्तमान सरकार द्वारा किया गया। इस परियोजना की आधारशिला करीब तीन वर्ष पहले नरेंद्र मोदी ने रखी थी। परियोजना के पहले चरण में 23 भवनों का उद्घाटन किया गया। ये भवन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले तीर्थ यात्रियों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान करेंगे। जिनमें यात्री सुविधा केंद्र, पर्यटक सुविधा केंद्र, वैदिक केंद्र, मुमुक्षु भवन, भोगशाला, सिटी म्यूजियम, दर्शक दीर्घा, फूड कोर्ट आदि शामिल है। इस परियोजना के अंतर्गत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास तीन सौ से अधिक संपत्तियों की खरीद और अधिग्रहण किया गया। चौदह सौ लोगों का सद्भावना के साथ पुनर्वास किया गया। कोविड महामारी के बावजूद इस परियोजना का निर्माण कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा कर लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्य में योगदान करने वाले श्रमिकों के ऊपर पुष्प वर्षा की, उनके साथ भोजन किया। उनका यह कार्य समरसता की भावना के अनुरूप था। नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय एकता व स्वाभिमान का संदेश भी दिया। भारत ने विदेशी आक्रांताओं द्वारा किये गए विध्वंसों के बावजूद अपनी संस्कृति को जीवंत बनाये रखा है। क्योंकि यहां औरंगजेब व सालार मसूद जैसे आक्रांताओं को जवाब देने के लिए शिवा जी व महाराज सुहेल देव भी जन्म लेते रहे है। महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मीबाई जैसे अनगिनत महान विभूतियां हुई। आजादी के अमृत महोत्सव में राष्ट्रीय स्वाभिमान के अनेक प्रसंग उजागर हो रहे हैं। इन सभी महान लोगों ने भारतीय संस्कृति के स्वाभिमान के पुनर्निमाण का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब कभी औरंगजेब आता है तो शिवाजी भी उठ खड़े होते हैं। जब कोई सालार मसूद इधर बढ़ता है तो राजा सुहेलदेव जैसे वीर योद्धा उसे हमारी एकता की ताकत का अहसास करा देते हैं। मुगल आक्रांताओं द्वारा तोड़े गये काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निमाण के लिए महाराष्ट्र की अहिल्या बाई होल्कर और मंदिर की भव्यता बढ़ाने वाले पंजाब के महाराज रणजीत सिंह का नाम लेकर उन्होंने राष्ट्रीय एकता का भी संदेश दिया था। नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ को काशी के विश्वनाथ को जोड़ते हुए द्वादश ज्योतिर्लिंग की भी चर्चा की। अरुणाचल के परशुराम कुंड का उल्लेख किया। नरेंद्र मोदी ने पौराणिक ग्रंथों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यहां केवल डमरू वाले की ही सरकार चलती है। उसकी इच्छा के बिना यहां कुछ भी नहीं हो पाता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -1992

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

सू-दोकू -1991 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1992

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा कपूर अभिनीत फिल्म-2
2. 'दिल का पंक्षी बोले कुकू कुकू' गीत वाली फिल्म-3
4. विनोद खन्ना, अक्षय कुमार दीया मिर्जा अभिनीत फिल्म-3
6. 'तूने अगर प्यार से देखा नहीं' गीत वाली संजय कपूर अभिनीत फिल्म-2
7. 'कसम से तेरी आंखें' गीतवाली फिल्म-4
9. बॉबी देओल, लारा दत्ता, गुल पनाग अभिनीत फिल्म-2
11. 'याद आती है मगर आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
12. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
13. द्विविज काक, रूपा दत्ता की 'तुम से दिल क्या लगा लिया' गीत वाली फिल्म-2
15. कुमार गौरव, माधुरी अभिनीत फिल्म-2
16. 'सर से सरक गई तेरी चुनरी' गीत वाली फिल्म-4
18. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया अभिनीत फिल्म-2
20. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म-3
22. अक्षय, रवीना अभिनीत फिल्म-3
23. ऋषि कपूर अभिनीत 'मैं देर करता नहीं' गीत वाली फिल्म-2
25. गणेश यादव, राजन कपूर, ईशा कोप्पिकर अभिनीत फिल्म-3
26. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-2
27. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
28. आफताब शिवदासानी,सेलिना जेटली अमृता अरोड़ा अभिनीत फिल्म-2
29. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली फिल्म-2

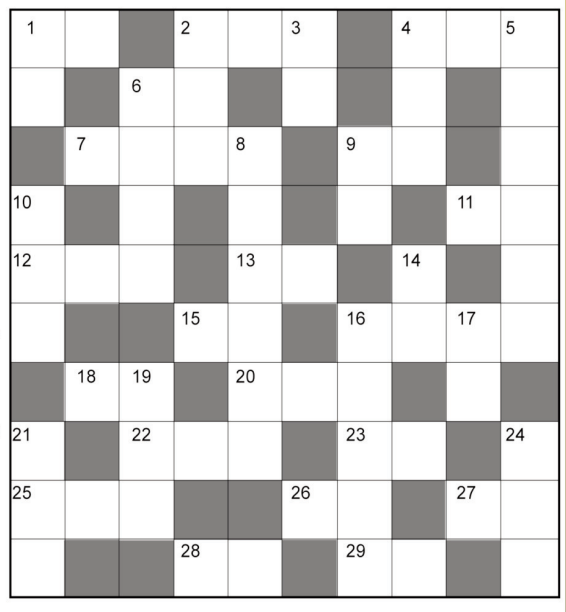

ऊपर से नीचे:-

1. विनोद खन्ना, रणदीप हूडा, तनुश्री दत्ता सीमा बिस्वास अभिनीत एक फिल्म-2
2. 'बस एक जरा कहा तुम मानो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली अजय देवगन की फिल्म-2
4. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' संजय दत्त अभिनीत फिल्म-3
5. अमिताभ, अक्षय कुमार, रिमि सेन की फिल्म-3,3
6. 'मेरे संग संग आया तेरी यादों का मेला' गीत वाली धर्मेन्द्र अभिनीत फिल्म-4
8. 'कहीं दीप जले कहीं दिल' गीतवाली फिल्म-2,2,2
9. अक्षय कुमार, ट्विंकल खन्ना राखी मल्होत्रा अभिनीत फिल्म-2
10. सनी देओल, अमृता सिंह अभिनीत फिल्म-3
14. 'मुझे नींद न आए मुझे चैन न आए' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हमें तो लूट लिया मिल के हुस्न वालों ने' गीत वाली फिल्म-2,3
17. 'धक धक करने लगा' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-3
21. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
24. शाहिद कपूर, अमृता राव अभिनीत फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-1991

ऐ	त	बा	र		जु	र्म		जी
त		द		क	र्मा		घा	त	क
रा	हु	ल		री	ना	रा	य		र्म
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	र्ज		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			ह्रा	सि	ल
म	हा	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्टे
सं	सा	र		ल	की			नू	री

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पवन और सौर इकाई स्थापित करेगी टाटा पावर की टीपी सौर्या इकाई

नई दिल्ली । देश के प्राकृतिक ऊर्जा के क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित टाटा पावर कंपनी की पूर्ण अनुषंगी इकाई टीपी सौर्या को 300 मेगावाट की हाईब्रिड (पवन और सौर) परियोजना स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (एमएसईडीसीएल) से 'पुरस्कार पत्र' प्राप्त हुआ है। कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि टीपी सौर्या लिमिटेड टाटा पावर के स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है और उसे एमएसईडीसीएल द्वारा घोषित बोली में यह पत्र प्राप्त हुआ है। कंपनी ने कहा कि इस परियोजना को ई-रिवर्स नीलामी के बाद टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के जरिये हासिल किया गया है। इस परियोजना को बिजली खरीद समझौता (पीपीए) के लागू होने की तारीख से 18 महीने के भीतर चालू कर दिया जाएगा।

वेंचर कैटेलिस्ट्स भारतीय स्टार्टअप्स में करेगी 10.8 करोड़ डॉलर निवेश

नई दिल्ली। वेंचर कैटेलिस्ट्स वर्ष 2022 के दौरान 300 भारतीय स्टार्टअप्स में 10.8 करोड़ डॉलर (करीब 824 करोड़ रुपए) का निवेश करने पर विचार कर रही है। वेंचर कैटालिस्ट्स समूह ने 2021 के दौरान 207 समझौते किए तथा 178 अद्वितीय स्टार्टअप में निवेश किया। वेंचर कैटालिस्ट्स ग्रुप के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि वर्ष 2022 में हमारा लक्ष्य 10.8 करोड़ डॉलर का निवेश करना है और इसके लिए हम 300 अद्वितीय स्टार्ट-अप को लक्षित कर रहे हैं। हम वित्तीय प्रौद्योगिकी, शिक्षा प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिक, एफएमसीजी, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स तथा आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखेंगे। हमें उम्मीद है कि 2022 में डी2सी (सीधे उपभोक्ताओं के लिए) श्रेणी का दबदबा होगा और इनमें से कई स्टार्टअप छोटे शहरों से उभरेंगे।

इंफोसिस ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के साथ डिजिटल नवाचार समझौता बढ़ाया

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन (एओ) के साथ अपने डिजिटल नवाचार समझौते को 2026 के ओ खिर तक बढ़ाने की घोषणा की। इस संबंध में जारी बयान के अनुसार टेनिस ऑस्ट्रेलिया के साथ इस साझेदारी के विस्तार से मैच से संबंधित आंकड़ों के प्रसारण तथा टेनिस को सभी के लिए अधिक आसान बनाने में मदद मिलेगी। बयान में कहा गया कि इस साझेदारी के साथ इंफोसिस और टेनिस ऑस्ट्रेलिया प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोच और मीडिया के लिए बड़े डेटा और विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वर्चुअल रियलिटी और क्लाउड तकनीकों का उपयोग करना जारी रखेंगे। टेनिस ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं निदेशक क्रैग टाइली ने कहा कि हम अपनी नवाचार यात्रा के हिस्से के रूप में इंफोसिस के साथ अपनी साझेदारी को 2026 तक बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं।

रुपए में भारी गिरावट- 20 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा, डॉलर के मुकाबले रुपया 76.30 पर खुला

बिजनेस डेस्क- विदेशी कोषों की सतत निकासी और जोखिम उठाने की धारणा कमजोर होने से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया करीब 20 महीने के निचले स्तर पर 76.30 पर खुला। विश्व स्वास्थ्य संगठन **(WHO)** द्वारा कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के अधिक तेजी से फैलने की चेतावनी से जोखिम वाली परिसंपत्तियों की अपील प्रभावित हुई। पिछले 11 कारोबारी सत्रों में से नौ में रुपए में गिरावट आई है और डॉलर के मुकाबले रुपए का मूल्य 119 पैसे टूटा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में विदेशी कोषों की निकासी के बीच रुपया 76.05 पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान बाद में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 44 पैसे की गिरावट के साथ 76.32 रुपए प्रति डॉलर तक नीचे चला गया। करीब आठ माह के दौरान रुपए में दिन की यह सबसे बड़ी गिरावट है। बाजार सूत्रों ने कहा कि ओमिक्रॉन के तीव्र प्रसार की आशंका से भी रुपए की गिरावट को बल मिला।

आईएमएफ चीफ इकॉनोमिस्ट गीता गोपीनाथ ने की पीएम मोदी से मुलाकात, जानें क्या हैं इसके मायने?

नई दिल्ली:

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक ट्वीट में यह जानकारी दी गई। हालांकि दोनों में क्या बात हुई इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। पीएमओ ने कहा, ÷आईएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।÷ 49 वर्षीय प्रमुख भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री जनवरी 2019 में मुख्य अर्थशास्त्री के रूप में आईएमएफ में शामिल हुई थी। मैसूर में जन्मी गोपीनाथ वैश्विक वित्तीय संस्थान की पहली महिला मुख्य अर्थशास्त्री हैं। पिछले दिनों आईएमएफ ने कहा था कि गोपीनाथ अगले साल जनवरी में अपनी नौकरी छोड़ देंगी और प्रतिष्ठित हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में लौट जाएंगी।

एचएएल ने एलसीए फाइटर के लिए बीईएल से किया समझौता

मुंबई ।

सरकारी डिफेंस कंपनी हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने गुरुवार को एक दूसरी सरकारी डिफेंस कंपनी भारत इलेक्ट्रोनिक लिमिटेड (एचएएल) के साथ हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए से संबंधित प्रोग्राम के लिए 20 तरह के सिस्टम की सप्लाई के लिए 2400 करोड़ रुपए का करार किया है। इस कॉन्ट्रैक्ट की अवधि पांच साल है जो 2023-2028 तक रहेगी। यह भारतीय डिफेंस सेक्टर के स्वेदशीकरण की तरफ उठाया गया बड़ा कदम है। इसके अलावा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत एचएएल ने बीईएल को अब तक का अपना सबसे बड़ा ऑर्डर दिया है।

फिलहाल घर से ही काम करेंगे एपल कर्मचारी, मिलेगा 75 हज़ार बोनस

न्यूयॉर्क ।

कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते मामले को देखते हुए एपल ने यह फैसला` लिया है` कि अभी कर्मचारी घर से ही काम करेंगे। ये दूसरा मौका है जब कंपनी ने ऑफिस खोलने की तारीखों को टाला है। इस बीच कंपनी ने घर से काम कर रहे सभी कर्मचारियों को एक हज़ार डॉलर यानी करीब 75 हज़ार बोनस देने का भी ऐलान किया है। कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए कंपनी ने इसी हफ्ते अपने तीन स्टोर भी बंद करने का ऐलान किया था। साथ ही कंपनी लोगों से बार-बार अपील कर रही है कि वो बिना मास्क के उनके स्टोर में नहीं आएं। कंपनी के न खोलने के आदेश को लेकर सीईओ टिम कुक ने एक ई मेल भी किया है। उन्होंने अपने कर्मचारियों से कोरोना की वैक्सीन और बूस्टर डोज़ भी लेने की अपील की है। टिम कुक ने अपने ईमेल में कर्मचारियों को 1000 डॉलर बोनस के तौर पर भी देने का ऐलान किया है। कुक के मुताबिक घर से काम कर रहे स्टाफ अपनी जरूरत के हिसाब से इस पैसे से सामना खरीद सकते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि वो अपने स्टाफ को फिट देखना चाहते हैं। कुक के मुताबिक कोरोना के हालात का जायजा लेने के बाद ही ऑफिस खोलने का फैसला लिया जाएगा। एपल के कर्मचारी जब ऑफिस लौटेंगे, तो उनसे सोमवार, मंगलवार और गुरुवार को व्यक्तिगत रूप से काम करने की उम्मीद की जाएगी। उन्हें उनकी टीम के आधार पर बुधवार और शुक्रवार को घर से काम करने की अनुमति होगी। कंपनी वर्क फ्रॉम होम के लिए एक महीने का अतिरिक्त समय भी देगी। साथ ही ऑफिस खोलने से 4 हफ्ते पहले कर्माचरियों को मेल किया जाएगा।

डिज्नी प्लस ने एप्पल के नए शेयरप्ले फीचर के सपोर्ट के साथ किया अपडेट

सैन फ्रांसिस्को।

डिज्नी ने अपने सब्सक्रिप्शन वीडियो ऑन डिमांड (एसवीओडी) मोबाइल ऐप डिज्नी प्लस स्ट्रीमिंग को ऐप्पल के शेयरप्ले फीचर के समर्थन के साथ अपडेट किया है। शेयरप्ले के सपोर्ट के साथ, डिज्नी प्लस के सब्सक्राइबर आईफोन, आईपैड और एप्पल टीवी के साथ 32 अन्य लोगों के साथ कंटेंट देख सकते हैं। एक उपयोगकर्ता आमने-सामने या समूह फेसटाइम वीडियो कॉल शुरू कर सकता है, फिर डिजनी प्लस ऐप खोल सकता है और एक फिल्म या टीवी शो एपिसोड पर प्ले बटन को हिट कर सकता है, जिसे आप कॉल पर बाकी सभी के साथ देखना शुरू करना चाहते हैं। डिज्नी स्ट्रीमिंग के उत्पाद और डिजाइन के ईवीपी जेरेल जिमरसन ने एक बयान में कहा, हम छुट्टियों के लिए और कई बहुप्रतीक्षित प्रीमियर से पहले एप्पल यूजर्स के लिए डिजनी प्लस पर शेयरप्ले लॉन्च करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। शेयरप्ले सत्र साझा प्लेबैक नियंत्रण जैसे प्ले, पाउस, फास्ट फॉरवर्ड और रिवाइंड प्रदान करते हैं।

डिज्नी का कहना है कि यह फीचर डिज्नी, पिक्सर, मार्वल, स्टार वार्स और नेशनल ज्योग्राफिक से पूरे डिज्नी प्लस कैटलॉग में वैश्विक स्तर पर संगत होगा। जिमर्सन ने कहा, हजारों फिल्मों, शो और नए शीर्षकों और मूल कंटेंट की बढ़ती सामग्री सूची के साथ, शेयरप्ले दुनिया भर के व्यक्तिगत मित्रों और परिवार को एक साथ आने और डिज्नी प्लस पर अपनी पसंदीदा कहानियों के साथ नई यादें बनाने का एक और अवसर प्रदान करता है। शेयरप्ले का समर्थन करने वाले अन्य ऐप में एप्पल टीवी प्लस, एप्पल म्यूजिक, टिकटॉक, ट्विच, पेरामाउन्ट प्लस, शोटाइम, एनबीए ऐप और बहुत कुछ शामिल हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट रुक गयी है। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस के शेयरों में तेजी से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 113.11 अंक करीब 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ ही 57,901.14 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 27 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी बढ़कर 17,248.40 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे अधिक करीब तीन फीसदी की बढ़त बजाज फाइनेंस के शेयरों में रही। इसके अलावा, इन्फोसिस, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर मारुति, बजाज ऑटो और सन फार्मा के शेयर गिरे हैं। जानकारों के अनुसार दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों से बाजार में यह तेजी आई है हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से कारोबारी धारणा प्रभावित हुई है। इससे बाजार की तेजी पर रोक लगी है।''

वाणिज्यिक खननः 20 कोयला खदानों के लिये 53 बोलियां मिलीं

नयी दिल्ली.

वाणिज्यिक खनन के लिए रखे गये 20 कोयला खदानों को लेकर जेएसडब्ल्यू, जिंदल स्टील एंड पावर लि. (जेएसपीएल), वेदांता और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज समेत 37 कंपनियों की 53 बोलियां प्राप्त हुई हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार कोयला मंत्रालय ने 12 अक्टूबर को 87 खदानों के लिये नीलामी प्रक्रिया शुरू की थी। बयान में कहा गया है, ''बीस कोयला खदानों के लिए कुल 53 बोलियां आयी हैं। इनमें से 16 तत्काल उत्पादन में लाने लायक हैं जबकि चार आंशिक रूप से तुंरत उत्पादन में लाने वाली खानें हैं।'' इनमें से दो खदान कोकिंग कोयला ब्लॉक हैं, जबकि शेष गैर-कोकिंग कोयला ब्लॉक हैं। बोली जमा करने की अंतिम तिथि मंगलवार थी। नीलामी प्रक्रिया के तहत 'ऑनलाइन' और 'ऑफलाइन' तकनीकी बोली दस्तावेजों को बुधवार को बोलीदाताओं की मौजूदगी में खोली गया। नीलामी प्रक्रिया में कुल 57 कंपनियों ने अपनी बोलियां जमा कीं। बोलियों का मूल्यांकन एक तकनीकी मूल्यांकन समिति करेगी। तकनीकी रूप से योग्य बोलीदाताओं को अगले साल सात

जम्मू-कश्मीर सरकार ने जम्मू और कश्मीर में मेडि-सिटीज की स्थापना को दी मंजूरी

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन परिषद (एसी) ने गुरुवार को दो मेडि-सिटीज (चिकित्सा केंद्रित उपनगर) की स्थापना को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही एक मेडि-सिटी कश्मीर और एक जम्मू संभाग में स्थापित होने का रास्ता साफ हो गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में यहां हुई एसी की बैठक में उद्योग और वाणिज्य विभाग के दो मेडि-सिटी स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। इसके तहत अब घाटी के सेम्पोरा, पंपोर और जम्मू संभाग में मिरानसाहिब में मेडि-सिटी स्थापित होंगी। बयान के अनुसार, निर्णय का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना और आपातकालीन स्थितियों में तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए सरकार की क्षमता को बढ़ाकर आपदा संभावित क्षेत्रों में रिकवरी और आपदा लचीलापन का समर्थन करना है। बयान में कहा गया है, कश्मीर डिवीजन में मेडि-सिटी को सेम्पोरा, पंपोर पुलवामा के एक क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। जगह की केंद्रीयता विशेष स्वास्थ्य सेवाओं के लिए घाटी की पूरी आबादी के लिए केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करेगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, इसी तरह, जम्मू संभाग में मेडिसिटी की स्थापना मिरानसाहिब, जम्मू में की जाएगी। भूमि आदर्श रूप से मुख्य शहर के करीब स्थित है और यह पूरे मंडल की चिकित्सा सेवा आवश्यकताओं

को पूरा कर सकती है। बयान में आगे कहा गया है, प्रासंगिक रूप से, निजी क्षेत्र में नए चिकित्सा और उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना नई औद्योगिक नीति का एक हिस्सा है। पहचान की गई जम्मू-कश्मीर औद्योगिक भूमि आवंटन नीति के अनुसार पारदर्शी रूप से आवंटित की जाएगी।

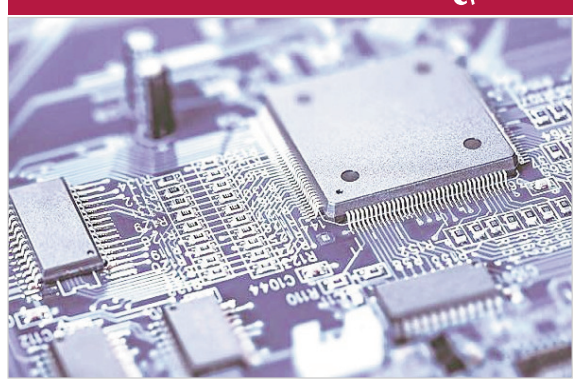

शीतकालीन सत्र में नहीं आएगा क्रिप्टोकरेंसी बिल!

नई दिल्ली:

सरकार द्वारा क्रिप्टोकरेंसी पर विधेयक संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में लाने की संभावना नहीं है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उसका यह भी कहना है कि जब भी विधेयक को संसद में पेश किया जाएगा, व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श को लेकर इसे संसद की स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा। विधेयक सरकार की शीतकालीन सत्र के विधायी कामकाज की सूची में शामिल था। प्रस्तावित विधेयक में भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी होने वाली आधिकारिक डिजिटल मुद्रा के लिए विधान तैयार करने की बात कही गयी है। लोकसभा वेबसाइट पर सदन में पेश करने के लिए सूचीबद्ध इस विधेयक के बारे में कहा गया है कि इसमें देश में सभी निजी क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित करने का भी प्रावधान किया गया है। हालांकि, यह कुछ अपवादों के साथ क्रिप्टोकरेंसी और इसके उपयोग से जुड़ी तकनीक को बढ़ावा देने की अनुमति देता है। सूत्रों के अनुसार, विधेयक के संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में पेश किये जाने की संभावना नहीं है।

फिलहाल देश में क्रिप्टोकरेंसी के उपयोग को लेकर विनियमन या किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है।

सेमीकंडक्टर चिप कारोबार में उतरेगा टाटा समूह

नई दिल्ली ।

टाटा समूह भारतीय बाजार में सेमीकंडक्टर चिप कारोबार में उतरने की तैयारी कर रहा है। इसके` लिए वह कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से बातचीत कर रहा है जिसमें ताइवान की कंपनियां भी शामिल हैं। इससे पहले केंद्र सरकार ने भारत में चिप विनिर्माण के लिए ताइवान की कंपनियों ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) और यूनाइटेड माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन (यूएमसी) को भारत लाने की कोशिश की थी। जानकारी के मुतो बिक टाटा समूह ने संभावित करार के लिए अब एक अलग चैनल खोल दिया है।

फिलहाल भारत ज्यादातर चिप का आयात करता है जो फैब्रिकेटेड और असेंबल्ड होते हैं। इनका इस्तेमाल विभिन्न ऐप्लिकेशन में किया जा सकता है जिनमें वाहन, अक्षय ऊर्जा, मोबाइल फोन, टेलीविजन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं शामिल हैं। टाटा संस के प्रवक्ता ने अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के लिए बातचीत एवं संभावित करार के बारे में जानकारी के लिए भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया। वाहन विनिर्माण एवं अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में टाटा समूह की मौजूदगी को मद्देनजर उसे खुद चिप की जरूरत है। समूह की कंपनी टाटा एलेक्सी पहले से ही सेमीकंडक्टर सेवा कारोबार में मौजूद है जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता टूल्स व फ्रेमवर्क, डिजाइन सॉल्यूसंस और डेवलपमेंट शामिल हैं। समूह ने तमिलनाडु में एक नई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इंडियन ऑयल ने जेट फ्यूल की कीमतें घटाई

नई दिल्ली ।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने गुरुवार को एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में कटौती कर दी है। इनकी कीमतों में कटौती के बाद एयरलाइन कंपनियां यात्री किराए में भी कटौती का निर्णय ले सकती हैं` जिससे हवाई सफर थोड़ा सस्ता हो सकता है। इंडियन ऑयल की ओर से की गई इस कटौती के बाद देश के बड़े शहरों में इनके दाम में बदलाव हुआ है। दिल्ली में एटीएफ का दाम घटकर 74,022.41 प्रति किलोलीटर हो गया है, जबकि कोलकाता में यह 78,215.01 रुपए प्रति किलोलीटर है। मुंबई में यह 72,448.20 रुपए प्रति किलोलीटर है और चेन्नई में इसकी कीमत कम होकर 76,197.80 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है। नई कीमतें गुरुवार से लागू की गई हैं। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर घरेलू एयरलाइनों के लिए एटीएफ की कीमत दिल्ली में 739.90 रुपए प्रति किलोलीटर और कोलकाता में 778.87 रुपए प्रति किलोलीटर तक कम कर दी गई है। मुंबई में 733.11 रुपए प्रति किलोलीटर और चेन्नई में 733.75 रुपए प्रति किलोलीटर तक घट गई है। गौरतलब है कि एटीएफ की कीमतों में अक्टूबर महीने में तेल कंपनियों द्वारा करीब 13.8 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। जेट फ्यूल की कीमतों में पिछले एक साल में 95.8 फीसदी तक की वृद्धि की गई है। सितंबर में कीमतों में साल-दर-साल 54.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिसका श्रेय सितंबर 2020 के लो बेस को दिया गया, जब महामारी के कारण दरों में 32.2 फीसदी की गिरावट आई थी।

Sports

विराट गलत बयानबाजी से बचें : कपिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के ठीक पहले कप्तान विराट कोहली को इस प्रकार का विवादित बयान नहीं देना चाहिये था जिससे क्रिकेट बोर्ड से मतभेद बढ़ते हैं। कपिल के अनुसार विराट ने जो भी बातें कहीं उसका ये सही समय नहीं था। इससे पहले विराट ने कहा था कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उन्हें टी20 कप्तानी नहीं छोड़ने की बात नहीं कही थी। कपिल के अनुसार इस प्रकार की गैरजरुरी बयानबाजी से अनावश्यक विवाद पैदा होते हैं। कपिल ने कहा, ' मेरा मानना है कि इस समय किसी पर भी ऊंगली उठाना ठीक नहीं है। दक्षिण अफ्रीका का दौरा सामने है और हमें उसी पर ध्यान देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मैं कहूंगा कि बीसीसीआई प्रमुख तो बोर्ड अध्यक्ष है हालांकि भारतीय टीम का कप्तान होना भी बड़ी बात है। ऐसे में इन्हें एक दूसरे के बारे में सार्वजनिक तौर पर गलत बयानबाजी नहीं करनी चाहिये। चाहे वह सौरव हो या कोहली।' कपिल ने कोहली से कहा कि उन्हें हालात पर नियंत्रण करके देश के बारे में सोचना चाहिये। उन्होंने कहा, 'आप स्थिति को संभालिए। बेहतर ये है कि आप देश के बारे में सोचिए। जो गलत है वो बाद में पता चल ही जाएगा पर एक दौरे से पहले विवाद बढ़ाना ठीक नहीं है।'

संन्यास की घोषणा के समय भावुक हुए फुटबॉलर सर्जियो

दिल की बिमारी के कारण लेना पड़ा यह फैसला

बार्सिलोना ।

बार्सिलोना की ओर से खेलने वाले अर्जेंटीना के स्ट्राइकर सर्जियो एगुएरो ने खराब सेहत के कारण फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। एगुएरो को स्पेनिश लीग में 30 अक्टूबर को अलावेस के खिलाफ हुए मैच में सीने में दर्द के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इसके बाद उनके दिल की कई जांच भी हुईं थीं। एगुएरो इस दौरान संन्यास की घोषणा करते हुए भावुक भी हुए। इस अवसर पर बार्सिलोना के खिलाड़ी, बोर्ड के सदस्य, एगुएरो के परिजन और पूर्व साथी भी उपस्थित थे। इस खिलाड़ी ने कहा, मैं यहां रुककर अपने साथी खिलाड़ियों की मदद करना चाहता था पर हर बात के पीछे कोई कारण होता है। साथ ही कहा कि उन्होंने 10 दिन पहले ही खेल को अलविदा कहने का फैसला कर लिया था। उन्हें दिल के पहले टेस्ट के बाद बताया गया था कि शायद वह फिर से नहीं खेल सकेंगे। एगुएरो 10 साल तक मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलने के बाद हाल ही में बार्सिलोना से जुड़े थे। एगुएरो ने सिटी की ओर से 260 गोल किए, जो क्लब का एक रिकॉर्ड है। उन्होंने प्रीमियर लीग में 184 गोल किये, जिसमें 12 हैट्रिक भी शामिल हैं। वहीं एगुएरो ने बार्सिलोना के लिए केवल पांच मैच खेले हैं। अंतरराष्ट्रीय करियर में उनके नाम 97 मैचों में 41 गोल का रिकार्ड है।

सिंधु विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

हुएल्वा ।

भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु स्पेन में जारी विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप (बीडब्लूएफ) के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने राउंड ऑफ 16 में जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की ही अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा है।

सिंधु ने महिला एकल के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को आसानी से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय खिलाड़ी ने पोर्नपावी को लगातार गेमों में 21-14, 21-18 से हराया। अब सिंधु का सामना अगले मुकाबले में चीनी ताइपे की ताई जू यिंग से होगा। वहीं दूसरी ओर पोनप्पा और सिक्की की भारतीय जोड़ी महिला युगल के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में थाईलैंड की जोंगकोलफन किथिथाराकुल और रविंदा प्राजोंगजय की जोड़ी के सामने टिक नहीं पायी। थाई

खिलाड़ियों ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए पोपन्ना और सिक्की को 21-13, 21-15 से हराया।

मर्सिडीज ने अबू धाबी में मैक्स की जीत के खिलाफअपील वापस ली

लंदन।

मर्सिडीज ने सीजन के अंत में अबू धाबी ग्रां प्री के परिणाम के खिलाफ अपनी अपील को वापस लेने का फैसला किया है। रेड बुल होंडा के ड्राइवर मैक्स वेरस्टापेन ने फॉमूर्ला 1 चैंपियनशिप के निर्णायक रेस में शानदार जीत हासिल की थी। वेरस्टैपेन और मर्सिडीज के ड्राइवर लुईस हैमिल्टन दोनों के अबू धाबी की रेस में 369.5 अंक थे। 12 दिसंबर को यास मरीना सर्ट में रेस के अंत के बाद वेरस्टैपेन को एफ1 चैंपियन का ताज पहनाया गया। हैमिल्टन ने रेस में अच्छी बढ़त बनाई हुई थी, लेकिन ट्रैक पर हुए एक दुर्घटना के बाद मैक्स उनसे आगे निकल गया। उन्होंने रेस जीतने के लिए हैमिल्टन को कड़ी टक्कर दी और अपनी पहली विश्व ड्राइवर चैंपियनशिप जीत ली। वहीं, हैमिल्टन दूसरे स्थान पर रहे।

बीबीएल पर कोविड का कहर, पर्थ के सभी पांच मैचों को किया गया स्थानांतरित

सिडनी।

एक फुटबॉल खिलाड़ी के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद 20 दिसंबर को पर्थ में खेले जाने वाले पर्थ स्कॉर्चर्स बनाम होबार्ट हरिकेंस सहित बिग बैश लीग (बीबीएल) के सभी पांच मैचों को वैकल्पिक स्थानों पर स्थानांतरित किए जाने का फैसला किया गया है। इस बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को जानकारी दी।

एक बयान में ग्लोरी क्लब ने खिलाड़ी के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि की, जिसके बाद एक घोषणा की गई कि टीम के अगले दो फुटबॉल मैच स्थगित किए जा रहे हैं। बयान में कहा गया, पर्थ ग्लोरी इस बात की पुष्टि करता है कि उसकी टीम का एक सदस्य कोरोना संक्रमित पाया गया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) की सरकार द्वारा निर्धारित सख्त कोरोना प्रतिबंधों के कारण पर्थ स्कॉर्चर्स ने अपने शेष पांच घरेलू मैच गंवा दिए। राज्य ने पहले पांचवें एशेज टेस्ट की मेजबानी का अधिकार भी खो दिया था, क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और डब्ल्यूए सरकार के बीच क्वारंटीन नियमों में बदलाव करने को लेकर कोई बात नहीं बन पाई थी। 20 दिसंबर को होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ स्कॉर्चर्स के मैच को बेलेरिव ओवल में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस महीने के अंत में मेलबर्न रेनेगेड्स और मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ दो अन्य मैचों को डॉकलैंड्स स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग के महाप्रबंधक एलिस्टेयर डॉब्सन ने कहा, हम समझते हैं कि यह पर्थ के प्रशंसक के लिए एक निराशाजनक निर्णय है, लेकिन मौजूदा माहौल में हम सदस्यों, प्रशंसकों, खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों और स्टाफ के लिए सुरक्षा प्रदान करना चाहते हैं। इसलिए यह निर्णय लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

स्टुअर्ट ब्रॉड 150 टेस्ट खेलने वाले इंग्लैंड के तीसरे खिलाड़ी बने

एडिलेड। तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के गुरुवार को एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एशेज टेस्ट के प्लेइंग इलेवन में शामिल होते ही उनके नाम एक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। वह 150 टेस्ट खेलने वाले इंग्लैंड के तीसरे क्रिकेटर बन गए। ब्रॉड टेस्ट इतिहास में 150वें टेस्ट मैचों में शिरकत करने वाले 10वें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस को नई गुलाबी गेंद से विकेटकीपर जोस बटलर द्वारा कैच करवाया आउट किया। जेम्स एंडरसन को भी एडिलेड टेस्ट के लिए प्लेइंग टीम में शामिल किया गया है। वह 167 टेस्ट के साथ ही इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने 161 टेस्ट खेले थे। एडिलेड ओवल में डे-नाइट टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा था, जब कप्तान पैट कमिंस को कोरोनो पॉजिटिव के संपर्क में आने के बाद मैच से बाहर कर दिया गया था, जिससे स्टीव स्मिथ को 2018 के बाद पहली बार टीम का नेतृत्व करने का मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया एडिलेड ओवल में दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे सत्र में इंग्लैंड पर हावी रहा और इस दौरान डेविड वार्नर और मार्नस लाबुस्चागने ने अर्धशतक जड़े। पहले दिन के चाय काल तक, ऑस्ट्रेलिया 53 ओवरों में 129/1 पर था, जिसमें वार्नर ने 65 और लाबुस्चागने (53) ने नाबाद 125 रनों की साझेदारी की।

वर्ल्ड एस्पोर्ट्स कप में भारत, पाकिस्तान और नेपाल से प्राप्त हुए 1.2 मिलियन पंजीकरण

नई दिल्ली। वर्ल्ड एस्पोर्ट्स कप (डब्ल्यूईसी21), दक्षिण पूर्व एशिया की प्रमुख त्रिकोणीय राष्ट्र निर्यात चैंपियनशिप को भारत, पाकिस्तान और नेपाल से करीब 12 लाख पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। पिछले महीने पंजीकरण की अवधि समाप्त होने के साथ देश के फाइनल के लिए प्रत्येक देश से शीर्ष 12 टीमों का चयन करने के लिए चरण निर्धारित किए गए हैं, जिसके बाद फाइनल मैच आयोजित किए जाएंगे। यह आयोजन खिलाड़ी को अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए और अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करने का अवसर दिया गया है। हालांकि, कोविड-19 महामारी के कारण, टूर्नामेंट तीन महीने की अवधि में खेला जाएगा, जहां एथलीट सबसे लोकप्रिय बैटल रॉयल खेलों में से एक और फ्री फायर में प्रतिस्पर्धा करेंगे। विश्व एस्पोर्ट्स कप के निदेशक विश्वलोक नाथ ने कहा इस टूर्नामेंट के लिए न केवल भारत से बल्कि, पाकिस्तान और नेपाल से भी इतनी बड़ी प्रतिक्रिया देखकर खुशी हो रही है। जब हमने डब्ल्यूईसी 21 की शुरुआत की, तो हमने महसूस किया कि अब एक ऐसा मंच बनाने की जरूरत है, जहां खिलाड़ियों और एथलीटों को तैयार किया जाए। 23 अक्टूबर से शुरू हुए पंजीकरण में भारत से 10,35,915 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं, जबकि पाकिस्तान से 71,549 और नेपाल से 34,537 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

भारत बनाम साउथ अफ्रिका : भारतीय टेस्ट टीम दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना

मुंबई।

विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम सेंचुरियन में 26 दिसंबर से बॉक्सिंग डे टेस्ट से शुरू होने वाली तीन मैचों की सीरीज में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार सुबह दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना हो गई। सेंचुरियन, जोहान्सबर्ग (3-7 जनवरी) और केप टाउन (11-15 जनवरी) में तीन टेस्ट 2021 से 2023 तक आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जोहान्सबर्ग के लिए रवाना होने से पहले टीम के सदस्यों जसप्रीत बुमराह, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की तस्वीरें साझा कीं है। भारत नव-नियुक्त उप-कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह गुजरात के सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल टीम में खेलेंगे। भारत में बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल भी चोटों के कारण टीम में नहीं हैं।

भारतीय टीम :

विराट कोहली (कप्तान), प्रियांक पांचाल, केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, जयंत यादव, इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद सिराज।

दूसरा एशेज टेस्टः संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए कमिंस, ऑस्ट्रेलिया की अगुवाई करेंगे स्मिथ

एडिलेड ।

ऑस्ट्रेलिया टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान पैट कमिंस एक ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आए हैं जिसकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस डर से कमिंस ने अपने आप को दूसरे टेस्ट से बाहर कर लिया है।इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टेस्ट गुरुवार से शुरू हो रहा है। यह टेस्ट डे नाइट खेला जाएगा। कमिंस की अगुवाई वाली टीम पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ नौ विकेट से जीत गई थी। दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी स्टीव स्मिथ करेंगे। माइकल नेसर टेस्ट में डेब्यू करेंगे जबकि ट्रैविस हेड को एडिलेड टेस्ट के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने गुरुवार को बताया कि दक्षिण ऑस्ट्रेलिया स्वास्थ्य ने पुष्टि की है कि कमिंस एक करीबी के संपर्क में आए थे और कमिंस को सात दिनों के लिए अगल रखा गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की कि कमिंस ने किसी भी कोविड नियमों के प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं किया है और उम्मीद है कि वह जल्द ही ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व करने के लिए वापसी करेंगे। नेसर ऑस्ट्रेलिया के 462वें पुरुष टेस्ट क्रिकेटर बनेंगे, जबकि स्मिथ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 केपटाउन टेस्ट के बाद पहली बार अपने देश का नेतृत्व करेंगे।

वेस्ट हैम को हराकर आर्सेनल प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर पहुंचा

लंदन।

गेब्रियल मार्टिनेली और एमिल स्मिथ रोवे के गोल से आर्सेनल प्रीमियर लीग में शीर्ष चार में पहुंच गया और वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ 2-0 से शानदार जीत दर्ज की। आर्सेनल ने पिछले पांच मैचों में से तीन की जीत हासिल की है और दो में हार मिली है। वहीं, टीम अब इस जीत के साथ चौथे स्थान पर है। टीम ने कुल 17 मैचों में नौ मैच जीते हैं। वेस्ट हैम यूनाइटेड ने पिछले पांच मैचों में से एक में जीत हासिल की है, दो में हार और दो मैच ड्रॉ खेले हैं। वहीं, टीम अब इस हार के साथ पांचवें स्थान पर है। टीम ने कुल 17 मैचों में आठ मैच जीते हैं।

टी20 कप्तानी पर कोहली के जवाब पर गांगुली का पलटवार, कहा- बीसीसीआई मामले को देखेगा

नई दिल्ली।

टी20 कप्तानी पर भारत के टेस्ट कप्तान विराट कोहली के चौंकाने वाले खुलासे के एक दिन बाद, बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने गुरुवार को कहा कि वह इस मामले में कोई अतिरिक्त टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को बोर्ड द्वारा निपटा जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले अपने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कोहली ने बुधवार को कहा था कि जब उन्होंने बोर्ड को टी20 कप्तान के रूप में पद छोड़ने के अपने फैसले के बारे में सूचित किया था, तब उन्हें पद पर बने रहने के लिए नहीं कहा गया था। उन्होंने गांगुली के उस बयान का भी खंडन किया, जिसमें कहा गया था कि स्टार बल्लेबाज को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। गांगुली ने कहा था कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कोहली से बात की थी जब वह टी20 कप्तान के रूप में पद छोड़ने का फैसला कर रहे थे और उनसे काम जारी रखने का आग्रह किया, लेकिन स्टार बल्लेबाज ने पद छोड़ने का फैसला किया। कोहली की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर बीसीसीआई प्रमुख ने पूरे विवाद पर कुछ भी बोलने से इनकार किया। गांगुली ने कोलकाता में मीडियाकर्मियों से कहा, मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। हम इससे उचित तरीके से निपटेंगे, इसे बीसीसीआई पर छोड़ दें। गांगुली और कोहली के सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के बयानबाजी के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बड़ी सीरीज से पहले बोर्ड और भारत के टेस्ट कप्तान के बीच मामला बढ़ता दिखाई दे रहा है। तमाम विवादों के बीच कोहली और उनकी टेस्ट टीम गुरुवार सुबह मुंबई से दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए रवाना हुई और रेनबो नेशन पर पहुंच गई। कोहली 26 दिसंबर से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि रोहित शर्मा चोट के कारण लाल गेंद के खेल से बाहर हो गए हैं, अगर वह 19 जनवरी से पहले फिट हो जाते हैं तो वह वनडे टीम की कप्तानी करेंगे।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने स्टीव स्मिथ के नेतृत्व पर उठाए सवाल

एडिलेड। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने एडिलेड ओवल में दूसरे एशेज टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के कप्तान बनने और इंग्लैंड के जैक लीच को मौका न देने पर सवाल उठाए हैं। स्मिथ ने 2015 में माइकल क्लार्क के बाद ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान के रूप में पदभार संभाला और 2018 तक इस भूमिका में रहे। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका में एक विवाद के बाद कप्तानी से हटा दिया गया था। कप्तानी से हटाए जाने के बाद, स्मिथ ने पैट कमिंस के उपकप्तान के रूप में वापसी की, जब टिम पेन ने एक विवाद के बाद कप्तानी का पद छोड़ दिया था। वहीं, कमिंस को गुरुवार को मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले एडिलेड टेस्ट से बाहर कर दिया गया, क्योंकि वह एक कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आ गए थे। एथरटन ने सेन रेडियो के माध्यम से कहा, मुझे लगता है कि एक बार जब कप्तानी के रूप में आपको दंडित जा चुका है, तो दोबारा से कप्तान बनाया जाना मेरे समझ से परे है। हालांकि उन्हें माफ किया जा चुका है, लेकिन वह कप्तान के रूप में नहीं, बल्कि बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं। ऐसा मुझे एक क्रिकेटर के रूप में लगता है। इंग्लैंड के लिए 115 टेस्ट खेल चुके एथर्टन ने कहा, मैं आमतौर पर कप्तान के रूप में उनकी भूमिका के बारे में सोचता हूं, मुझे उन्हें फिर से मौका दिए जाने से कोई समस्या नहीं है, क्या वह इसके लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं या फिर वह सिर्फ एक विकल्प हैं। एडिलेड में स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों में बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने से एथरटन ने इंग्लैंड टीम पर भी सवाल उठाए हैं। गाबा में लीच ने 13 ओवर में 102 रन दिए थे और मार्नस लाबुस्चगने का विकेट लिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

संयुक्त राष्टः भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति बोले- महामारी से स्थायी रूप से उबरने की शुरुआत टीकों से होनी चाहिए

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने पीबीसी-ईसीओएसओसी की संयुक्त बैठक में कहा, 'अगर हमें महामारी से स्थायी रूप से उबरने की आवश्यकता है, तो

इसकी शुरुआत टीकों से होनी चाहिए।÷ टीएस तिरुमूर्ति 'कोविड-19 महामारी से उबरने के संदर्भ में स्थायी शांति और सतत विकास को बढ़ावा देना' विषय पर भारत की ओर से अपनी राय रख रहे थे। तिरुमूर्ति ने आगे कहा कि 'कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट के उद्भव के बाद, भारत ने अफ्रीका में प्रभावित देशों को तुरंत सहायता की पेशकश की, जिसमें भारत में बने टीके, आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं और चिकित्सा उपकरण की आपूर्ति शामिल है।' उन्होंने कहा कि 'टीके की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए, यह आवश्यक है कि कच्चे माल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को खुला रखा जाए। महिलाओं और युवाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ मानव-केंद्रित और नागरिक-अनुकूल डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।'

अमेरिका और न्यूजीलैंड ने भारत-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता के मुद्दे पर की चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका और न्यूजीलैंड के रक्षा विभाग के अधिकारियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता के मुद्दे पर चर्चा की है। अमेरिका के रक्षा विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। रक्षा विभाग ने बताया कि दोनों देशों के रक्षा अधिकारियों की यह बैठक वर्चुअली तरीके से हुई और इस दौरान दोनों देशों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र की

चुनौतियों से निपटने के लिए द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा, ' अमेरिका के भारत-प्रशांत सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा सचिव, डॉ. एली रैटनर, और न्यूजीलैंड के रक्षा नीति एवं योजना विभाग के उप सचिव, माइकल स्वैन ने वर्चुअली तरीके अमेरिका-न्यूजीलैंड रक्षा नीति के आठवें वार्षिक बैठक में चर्चा की।' अमेरिकी रक्षा विभाग ने बताया कि इस दौरान दोनों देशों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में आपसी सरोकार के मुद्दों के समाधान के लिए सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहरायी। साथ ही प्रशांत क्षेत्र में अपनी रक्षा रणनीतियों के बारे में भी जानकारी साझा की और प्रशांत द्वीप समूह के भागीदारों के साथ सुरक्षा मामलों पर सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

रूस के साथ बढ़ा तनाव, ईयू-पूर्व सोवियत देशों के नेताओं ने की मुलाकात

ब्रसेल्स। रूस के साथ तनाव बढ़ने के बीच यूरोपीय संघ (श्व) के नेताओं ने यूक्रेन और चार अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों के अपने समकक्षों से मुलाकात की और राजनीतिक, व्यापार, ऊर्जा और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया। यूरोपीय संघ के 'ईस्टर्न पार्टनरशिप' में आर्मेनिया, अजरबैजान, बेलारूस, जॉर्जिया, मोल्दोवा और यूक्रेन शामिल हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको इस मंच का बहिष्कार कर रहे हैं क्योंकि पिछले साल उनके पुनः निर्वाचन में कथित धोखाधड़ी को लेकर सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की खबरों के बाद यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध लगाए थे। बेलारूस का झंडा शिखर सम्मेलन की मेज पर उस जगह लगा है, जहां लुकाशेंको बैठने वाले थे। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, ''कमरे में एक कुर्सी खाली है और मुझे उम्मीद है कि यह कुर्सी जल्द ही एक वैध, लोकतांत्रिक रूप से चुने गए बेलारूसी नेता से भर जाएगी।''ईस्टर्न पार्टनरशिप' की स्थापना 2008 में रूस द्वारा जॉर्जिया में सैनिकों को भेजे जाने के बाद की गई थी,इस कदम से पूरी दुनिया हैरान रह गई थी। साझेदारी का उद्देश्य छह देशों के बीच संबंधों को सुधारना और गहरा करना है, इनमें से अधिकांश रूस के साथ सीमा साझा करते हैं और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ऊर्जा के गढ़ हैं।

ब्रिटेन में कोरोना का कोहराम: टूटे संक्रमण के सारे पिछले रिकॉर्ड, एक ही दिन में आ गए 78 हजार से अधिक मामले

लंदन। ओमिक्रॉन के कहर के बीच ब्रिटेन से डराने वाली खबर आ रही है। दरअसल, यहां बीते 24 घंटे में कोरोना के सारे पिछले रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं। न्यूज एजेंसी के अनुसार देश में अब तक के सबसे अधिक 78,610 दैनिक कोरोना वायरस के रिकॉर्ड केस दर्ज किए गए हैं। ब्रिटेन के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यहां अब तक एक करोड़ से अधिक लोग कोरोना संक्रमित हो गए हैं। जबकि ब्रिटेन की कुल आबादी लगभग 6.7 करोड़ है।

पूरे ब्रिटेन में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ने के साथ, प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने संक्रमण की तेज लहर की चेतावनी दी है। हालांकि उन्हें उस समय जोरदार झटका लगा जब उनके 100 से अधिक सांसदों ने महामारी के बढ़ते प्रसार को रोकने के उपाय के खिलाफ मतदान किया।

क्रिसमस और न्यू ईयर पर लोग हो सकते हैं निराश

स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि यूरोप में क्रिसमस और न्यू ईयर की तैयारियां जोरों पर है लेकिन इस तरह से संक्रमण की बढ़ती रफ्तार लोगों को निराश कर सकती है। इस बीच यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोपीय संघ ओमिक्रॉन से लड़ने के लिए तैयार है। यहां करीब 66 फीसदी आबादी संपूर्ण टीकाकरण करा चुकी है। लेकिन तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामलों ने चिंता बढ़ा दी है।

दावा: वुहान लैब से रिसाव ही कोरोना की उत्पत्ति की संभावित वजह, कनाडा की जीवविज्ञानी ने किया खुलासा

टोरंटो। कनाडा के आणविक जीवविज्ञानी ने दावा किया है कि वुहान लैब से लीक ही कोरोना की उत्पत्ति का मुख्य कारण है। कनाडा की एक आणविक जीवविज्ञानी ने कोविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित हाउस ऑफ कॉमन्स समिति में शामिल विभिन्न दलों के सांसदों से कहा कि चीन के वुहान क्षेत्र की एक प्रयोगशाला से रिसाव ही कोविड-19 वैश्विक महामारी की उत्पत्ति की 'अत्यधिक संभावित' कारण है। जीन थेरेपी और सेल इंजीनियरिंग की एक्सपर्ट और 'वायरलः द सर्च फॉर द ओरिजिन ऑफ कोविड-19' की लेखिका डॉ अलीना चान ने वैज्ञानिक अनुसंधान पर संसद की समिति के सामने 15 दिसंबर को बताया कि कोरोना वायरस की 'फ्यूरिन क्लीवेज साइट' नामक असामान्य विशेषता के कारण महामारी हुई थी औप वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में पाया गया था।

तुलना में प्रयोगशाला की उत्पत्ति अधिक-महामारी की

उत्पत्ति के रूप में एक प्रयोगशाला रिसाव की संभावना के बारे में पैनल द्वारा पूछे जाने पर, चान ने बताया कि 'इस बिंदु पर प्राकृतिक उत्पत्ति की तुलना में प्रयोगशाला की उत्पत्ति अधिक होने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी सहमत हैं कि हुआनन सीफूड मार्केट में एक महत्वपूर्ण घटना हुई थी, जो मनुष्यों के कारण होने वाली एक सुपर स्प्रेडर घटना थी। उस बाजार में वायरस के प्राकृतिक पशु मूल की ओर इशारा करने वाला कोई सबूत नहीं है।

समय बताएगा कि कोरोना की उत्पत्ति कहां हुई-चान

पैनल द्वारा यह भी उनसे सवाल किया गया कि दुनिया अंततः कोविड-19 की वास्तविक उत्पत्ति को स्थापित करने में सक्षम होगी, चैन ने कहा कि यह तो आने वाला समय ही तय करेगा।

प्राकृतिक उत्पत्ति की

आर्थिक मंदी से जूझ रहे पाकिस्तान पर मंडरा रहे गैस संकट के बादल

इस्लामाबाद। आर्थिक मंदी के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे पाकिस्तान पर अब गैस संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने देश में गैस संकट की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि आने वाले सालों में पाक्सिस्तान के पास कोई गैस नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा है कि पिछले दो सालों से देश में हर साल गैस में 9 फीसदी की कमी हो रही है।

फवाद चौधरी ने आगे कहा है कि बड़े शहरों में 23 फीसद लोगों को रियायती दरों पर गैस उपलब्ध है और इसका बोझ देश के अन्य हिस्सों में बड़े पैमाने पर लोग वहन कर रहे हैं जो एलपीजी, कोयले और अन्य साधनों पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा है कि बड़े शहरों में सस्ती दरों पर गैस मिलने वाले लोगों को अब अपनी आदतें बदल लेनी चाहिए। ऐसा अब और अधिक समय तक जारी नहीं रहेगी। उन्होंने आगे कहा है कि सभी को समान आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार को अपनी गैस प्रणाली का पुनर्गठन करना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान गैस के भंडार में कमी की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। मामले को लेकर केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेट्रोलियम डिवीजन को लघु, मध्यम और दीर्घकालिक योजना तैयार करने का आदेश दिया है। फेडरल कैबिनेट ने पेट्रोलियम डिवीजन को गैस भंडार में कमी दर का पता लगाने के लिए भी कहा है। पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में कहा था कि आने वाले सालों में किसी भी बड़ी खोज के अभाव में गैस भंडार पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

अमेरिका का चीन के खिलाफ नया एक्शन, दर्द निवारक दवा बनाने वाली चीनी कंपनियों पर भी लगाया बैन

वॉशिंगटन। अमेरिका ने चीन को एक और झटका देते हुए चीन की दर्द निवारक दवा निर्माता कंपनियों पर कई प्रतिबंध लगा दिए हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते कहा कि यह कदम महामारी का रूप लेती जा रही नशे की लत से देश की युवा पीढ़ी को बचाने के लिए उठाया है।प्रतिबंध से जुड़े राष्ट्रपति जो बाइडेन के इस नए कार्यकारी आदेश का उद्देश्य विदेश नशा तस्करों पर लगाम कसना है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने एक बयान में कहा कि यह कदम नशा तस्करों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और वित्तीय नेटवर्क की कमर तोड़ने में अमेरिका के लिए मददगार साबित होगा। कोषागार विभाग ने कहा है कि वह चार चीनी रासायनिक कंपनियों और एक व्यक्ति चुएन फैट यिप पर प्रतिबंध लगा रहा है। अमेरिका ने चुएन को दुनिया का सबसे बड़ा एनाबॉलिक स्टेरॉयड का निर्माता बताते हुए उसकी गिरफ्तारी के लिए पांच मिलियन डॉलर तक के पुरस्कार की पेशकश की थी। कोषागार विभाग ने कहा कि चुएन और उसकी कंपनी वुहान युआनचेंग गोंगचुआंग टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड चीन और हांगकांग से बाहर काम करती हैं और बिटक्वाइन जैसी क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल फेंटेनाइल, स्टेरॉयड और

ड्रग कंपाउंड के अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट में करती हैं।

बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी ने इस संबंध में कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत सरल है कि अधिकांश नशीले पदार्थ चीन से आते हैं और हमारे लिए उस ओर एक संकेत भेजना महत्वपूर्ण था। कोषागार विभाग ने मेक्सिको में दो और ब्राजील के एक आपराधिक नशा तस्कर समूह पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों के तहत चुएन और इन समूहों से जुड़ी सभी संपत्तियां अवरुद्ध कर दी गई हैं। एक अनुमान के मुताबिक अप्रैल से अब तक करीब 100,000 अमेरिकी नागरिकों की दर्द निवारक दवाओं की अधिक मात्रा लेने की वजह से मौत हुई है।आरोप है कि दवा कंपनियों ने इन दर्द निवारक दवाओं का प्रचार किया और निराशा से ग्रस्त लोगों को आसानी से उपलब्ध कराया। गौर करने वाली बात यह भी है कि नकली दवाओं के प्रसार के कारण विदेशों से तस्करी कर लाई जाने वाली दर्द निवारक दवाओं के लती बढ़े हैं। इन्हें ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। यह कार्यकारी आदेश अमेरिकी अधिकारियों को सीधे इन विदेशी ड्रग निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सक्षम बनाता। बाइडन ने ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम पर यूएस काउंसिल की स्थापना भी की है, जो अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने के लिए विभागों के बीच समन्वय करेगी।

रूस-चीन बैठक में पुतिन बोले- शी हमारे 'प्रिय मित्र', बीजिंग ओलंपिक का बहिष्कार नहीं होने देंगे

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने डिजिटल माध्यम से एक शिखर बैठक की जिसमें मानवाधिकारों से लेकर यूक्रेन की सीमा के निकट रूसी सैनिकों के जमावड़े समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने अमेरिका के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान करते हुए उनके खिलाफ अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा बढ़ाई जा रही मुश्किलों का मुकाबला करने के लिए एक रणनीतिक गठबंधन बनाने पर जोर दिया। वीडियो शिखर बैठक के दौरान हाल के हफ्तों में यूक्रेन की सीमा के पास हजारों रूसी सैनिकों के जमावड़े को लेकर तनाव पर विचार-विमर्श किया गया ।

रूसी सैनिकों की सीमा पर तैनाती एक ऐसा कदम है जिसे लेकर कीव और पश्चिम ने आशंका जताई है कि मास्को नए आक्रमण की योजना बना रहा है। हालांकि रूस ने यूक्रेन पर हमला करने की किसी भी योजना से इंकार किया है और युद्धग्रस्त देश में अपने सैन्य जमावड़े के लिए कीव को दोषी ठहराया है।यह शिखर बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ पुतिन की इसी तरह की डिजिटल बैठक के लगभग आठ दिन बाद हुई है। जैसे ही उन्होंने बुधवार की बैठक शुरू

की पुतिन ने हाथ हिलाकर शी का स्वागत किया और उन्हें अपना ÷प्रिय मित्र÷ कहा। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने बताया कि चीनी नेता ने उसी इशारे और मुस्कान के साथ जवाब दिया। पुतिन ने कहा, ÷निरंतर स्वच्छता और महामारी संबंधी प्रतिबंधों के बावजूद हम स्थायी संपर्क बनाए रखते हैं।'

शी के 2013 में चीन के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद से वह और पुतिन 36 बार मिल चुके हैं। रूसी मीडिया में आई खबरों के अनुसार, इन बैठकों में जून में आयोजित वीडियो लिंक के माध्यम से एक बैठक भी शामिल है। दोस्ती के एक प्रमुख संकेत में, पुतिन ने कहा कि वह 2022 के बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक में अगले साल फरवरी में शामिल होकर शिनजियांग प्रांत में उइगुर मुसलमानों के खिलाफ चीन के मानवाधिकार हनन को उजागर करने के लिए अमेरिका द्वारा आयोजित किए जा रहे राजनयिक बहिष्कार की धार को कुंद कर देंगे। पुतिन ने चीन के इस रुख का भी समर्थन किया कि ताइवान उसकी मुख्य भूमि का अभिन्न अंग है। पुतिन ने कहा कि रूस ताइवान के सवाल पर चीनी सरकार की न्यायोचित स्थिति का कट्टर समर्थक होगा और चीन के हितों को कमजोर करने के लिए ताइवान के मुद्दे का इस्तेमाल करने वाली किसी भी ताकत का डटकर विरोध करेगा।

ओमीक्रोन को लेकर कनाडा ने जारी की एडवाइजरी, लोगों को यात्रा संबंधी दी सलाह

टोरंटो। कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के बढ़ते मामलों के मद्देनजर कनाडा सरकार ने नई एडवाइजरी जारी करते हुए देशवासियों को अनावश्यक यात्राएं न करने का सुझाव दिया और ओंटारियो में एनबीए और एनएचएल खेलों जैसे कार्यक्रमों में दर्शकों की संख्या 50 प्रतिशत तक सीमित कर दी है। ओंटारियो के प्रमुख डग फोर्ड ने यह भी कहा कि सभी व्यस्क जिनको दूसरी खुराक लिए तीन महीने हो चुके हैं वे सोमवार से कोविड-19 रोधी टीके की तीसरी (बूस्टर) खुराक के लिए 'बुकिंग' कर सकते हैं । फोर्ड ने कहा, '' हम लॉकडाउन नहीं लगा रहे हैं और इससे ऐसे ही निपटने की कोशिश करेंगे।' फोर्ड

ने कहा कि इससे बचने का सबसे सही तरीका 'बूस्टर' खुराक लेना ही है। उन्होंने कहा, '' यही हमारी योजना है और यही हम करने वाले हैं।' बार और रेस्तरां पूरी क्षमता के साथ खुले रहेंगे। प्रांतीय अधिकारियों ने बताया कि केवल 1000 या उससे अधिक दर्शकों वाले किसी कार्यक्रम पर ही लोगों की मौजूदगी से जुड़ी पाबंदी लगाई गई है। आंकड़ों के अनुसारी, ओंटारियो में सोमवार को कोरोना वायरस के 1,808 और क्यूबेक में 2,386 नए मामले सामने आए। फोर्ड ने कहा कि अभी तक 'ओमीक्रोन' काफी संक्रामक प्रतीत हो रहा है और प्रांत में इसका प्रकोप बढ़ने की आशंका है। ओंटारियो के किंग्सटन शहर ने इस नए स्वरूप के बढ़ते मामलों के मद्देनजर इस सप्ताह पांच से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक लगा दी थी। ओंटारियो के स्कूल भी नए साल में एकबार फिर कक्षाएं ऑलाइन आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका में ओमीक्रोन के बाद रहस्यमय बीमारी का कहर; 89 लोगों की मौत, डब्ल्यूएचओ दहशत में

फांगक। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट के बाद फैल रही एक रहस्यमयी बीमारी रही है। इस बीमारी से दक्षिण सूडान के जोंगलेई राज्य के उत्तरी शहर फांगक में अब तक 89 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन दहशत में और उसकी चिंता और बढ़ गई है। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि नई बीमारी बड़ी मुसीबत बन सकती है क्योंकि यह चकमा दे रही है। खबरों के मुताबिक WHO ने इस बीमारी से ग्रसित लोगों के सैंपल लेने के लिए वैज्ञानिकों की एक रैपिड रिस्पॉन्स टीम को इस क्षेत्र में भेजा है। बता दें कि दुनियाभर में कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट का खतरा बढ़ता जा रहा है।पहली बार 24 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में वैज्ञानिकों ने बोत्सवाना के एक व्यक्ति में इस वेरिएंट की पहचान की थी। तबसे लेकर अब तक ओमिक्रॉन के मामले दुनिया के 77

से ज्यादा देशों में पाए जा चुके हैं। यानी तीन हफ्तों में ही कोरोना का यह वेरिएंट जबरदस्त रफ्तार से फैला है। हालांकि इससे पैदा होने वाले खतरे को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। वैज्ञानिकों की ओर से दी गई सबसे ताजा जानकारी ये है कि ओमिक्रॉन के इस वेरिएंट की रफ्तार जरूर डेल्टा के मुकाबले काफी तेज है, लेकिन इससे पैदा होने वाली जटिलताएं डेल्टा के मुकाबले काफी कम हैं।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर ने कहा कि देश में लगभग 60 वर्षों में आई सबसे भीषण बाढ़ से 700,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जिसके लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इस क्षेत्र में काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय धर्मार्थ संस्था मेडेकिन्स सैन्स फ्रंटियरेस (एमएसएफ) ने कहा कि बाढ़ के कारण पैदा हुई अराजकता अब स्वास्थ्य सुविधाओं पर दबाव बढ़ा रही है।

चीन की वैक्सीन ने बढ़ाई दुनिया की टेंशन, वैज्ञानिक बोले- ओमीक्रोन के खिलाफ चीनी टीका 'फेल'

बीजिंग। चीन की कोविड वैक्सीन को लेकर दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने चिंता जताई है। हांगकांग के मेडिकल शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि चीन की फॉर्मा कंपनी सिनोवैक बायोटेक लिमिटेड द्वारा तैयार कोरोनावैक वैक्सीन शरीर में पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं प्रदान कर पाती है। ये तथ्य सामने आने के बाद उन देशों की चिंता बढ़ सकती है जिन्होंने इस वैक्सीन का इस्तेमाल किया है। कोरोना महामारी से बचाव के लिए चीन की वैक्सीन ने दुनिया के उन देशों की चिंता बढ़ा दी है जिन्होंने इस वैक्सीन का इस्तेमाल किया है।

सिनोवैक बायोटेक लिमिटेड द्वारा तैयार वैक्सीन का उपयोग कई देशों में किया गया है लेकिन हांगकांग के शोधकर्ता का दावा है कि यह वैक्सीन कोविड के खिलाफ शरीर में पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं प्रदान कर पाती है। मंगलवार रात को यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग के शोधकर्ताओं द्वारा जारी बयान के अनुसार पूरी तरह से वैक्सीनेटेड 25 लोगों के ग्रुप को जिन्हें सिनोवैक बायोटेक की कोरोनावैक वैक्सीन दी गई थी उनमें ओमिक्रॉन वेरिएंट से लड़ने के लिए ब्लड सीरम में पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं बन पाई ।

वैज्ञानिकों का कहना है कि पूर्ण रूप से वैक्सीनेटेड 25 लोगों के एक अन्य ग्रुप को फाइजर और बायोएनटेक का वैक्सीन डोज दिया गया और उनके अंदर नए वेरिएंट के खिलाफ एंटीबॉडीज पाई गई हैं। यह तथ्य इन कंपनियों ने अपनी जांच के बाद पिछले सप्ताह जारी किए थे और

कहा था कि वैक्सीन के तीसरे शॉट के माध्यम से ओमिक्रॉन वेरिएंट के खिलाफ पर्याप्त एंटीबॉडीज मिलेगी। यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्गकॉन्ग में संक्रामक बीमारियों से जुड़े विशेषज्ञ प्रोफेसर क्वोक युंग येन के नेतृत्व में तैयार इस 50 लोगों पर किए गए अध्ययन को मेडिकल जनरल में प्रकाशित करने की मंजूरी मिल गई है और प्रिंट के लिए ऑनलाइन मोड पर उपलब्ध है।बहरहाल अब तक इस बात का पता नहीं है कि सीनोवेक की यह वैक्सीन ओमिक्रॉन समेत कोविड-19 के अन्य वेरिएंट के खिलाफ कैसे काम करती है लेकिन इन वैज्ञानिकों की जांच ने 2.3 अरब लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं जिन्होंने इस वैक्सीन की खुराक ली है। इनमें ज्यादातर चीन और अन्य विकासशील देशों के लोग शामिल हैं।चूंकि ओमिक्रॉन वेरिएंट अन्य वेरिएंट की तुलना में तेजी से फैलता है । ऐसी स्थिति में शरीर के अंदर पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं होने से इन लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1971 की जंग में भारत का असली सहोदर बना था रूस

अमेरिका ने की थी पाकिस्तान की मदद

नई दिल्ली। भारत-रूस की मित्रता की प्रगाड़ता के कई किस्से है और आज जब अमेरिका भारत के प्रति अपना रवैया नरम रखने की बात करता है ऐसे में 1971 की जंग में रूस ही भारत का सच्चा सहोदर सिद्ध हुआ था। दरअसल, उस वक्त पश्चिमी पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान पर बर्बरता कर रहा था तो भारत ने पूर्वी पाकिस्तान को पश्चिमी पाकिस्तान से आजाद कराने की ठानी। युद्ध शुरू होने के साथ ही यह साफ था कि यह युद्ध बहुत दिनों तक नहीं चलेगा और भारत जल्द ही पूर्वी पाकिस्तान को पश्चिमी पाकिस्तान से आजाद करा देगा और हुआ भी यही। लेकिन इस 13 दिनों की लड़ाई में अमेरिका पाकिस्तान की मदद कर रहा था और रूस भारत का। आइए पूरी कहानी जानते हैं। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान लड़ रहे थे तो अमेरिका ने कहा कि वह पूर्वी पाकिस्तान से अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए यूएसएस एंटरप्राइज को बंगाल की खाड़ी भेजेगा। हालांकि सच ये था कि अमेरिका ने यह कहने से एक दिन पहले ही ढाका से हरेक अमेरिकी नागरिकों को निकाल लिया था। माने अमेरिकी युद्धपोत भारत को धमकाने और डराने के लिए भेजे जा रहे थे। रिपोर्ट्स बताते हैं कि तत्कालीन राष्ट्रपति निक्सन ने कहा था कि अमेरिकी युद्धपोत तब तक भारत की ओर बढ़ते चले जाएंगे जब तज कि भारतीय सैनिकों की वापसी के बारे में कोई सहमति नहीं बन जाती। एक मीडिया रिपोर्ट बताती है कि भारत के नौसैनिक बेड़े की तुलना में अमेरिकी बेड़ा बहुत बड़ा था। रिपोर्ट्स बताती है कि भारत के एकमात्र विमानवाहक आइएनएस विक्रांत की तुलना में एंटरप्राइज का बेड़ा कम से कम पांच गुना बड़ा था। परमाणु ऊर्जा से संचालित ये एंटरप्राइज बिना दोबारा फ्यूल भरे पूरी दुनिया का चक्कर लगा सकता था। हालांकि अमेरिकी बेड़े के पहुंचने से पहले ही सोवियत संघ का एक विध्वंसक और माइन्सस्वीपर मलक्का की खाड़ी से इस इलाके में पहुंच चुका था। बीबीसी की रिपोर्ट बताती है कि सोवियत बेड़ा तब तक अमेरिकी बेड़े के पीछे लगा रहा जब तक कि जनवरी 1972 के पहले हफ्ते में वापस नहीं लौट गया। रिपोर्ट बताती है कि तत्कालीन सोवियत नौसेना प्रमुख एडमिरल गोर्शकॉव ने युद्ध में भारत की जीत के बाद कहा था कि भारत को यह जानना जरूरी है कि उस लड़ाई में भारत अकेला नहीं था। रूस अमेरिका के सातवें बेड़े की गतिविधियों पर पूरी तरह से नजर रखा हुआ था। जरूरत पड़ने पर हम हस्तक्षेप भी करते। लेकिन आप लोगों ने जिस तरह से हमारी मिसाइल बोट का इस्तेमाल किया, हम सपने में भी उसकी कल्पना नहीं कर सकते थे।

आईआईटी, आईआईएम और केंद्रीय विवि में 10 हजार से अधिक शिक्षकों के पद पड़े हैं रिक्त : चिदंबरम

नई दिल्ली ।

संसद के चालू शीतकालीन सत्र के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उच्चसदन (राज्यसभा) में यह जानकारी दी कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी और आईआईएम में 10,000 से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं, इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह सरकार की ओर से साल के अंत का उपहार है। पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने ट्वीट किया, मोदी सरकार की ओर से एक और साल के अंत का तोहफा- केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी और आईआईएम में 10,000 से अधिक शिक्षण पद खाली हैं। इनमें से 4126 एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षित हैं। दूसरे ट्वीट में उन्होंने कहा, हमने सोचा कि शिक्षकों के माध्यम से पढ़ाना उनका प्राथमिक उद्देश्य है, मुझे आश्चर्य है कि ये संस्थान पर्याप्त शिक्षकों के बिना क्या करते हैं। बता दें कि एक लिखित जवाब में, प्रधान ने उच्च सदन को बताया, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 6,535 पूर्णकालिक शिक्षण पद, 20 आईआईएम में 403 और 23 आईआईटी में 3,876 रिक्त हैं। देश भर के सभी सरकारी बैंकों को मिलाकर कुल 41,177 पद फिलहाल खाली हैं। सरकारी बैंकों में रिक्त ये 41 हजार से अधिक पद सभी 12 पब्लिक सेक्टर बैंकों में हैं। इन बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, पंजाब एवं सिंध बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कैनरा बैंक, इंडियन बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बारे में जानकारी दी। सरकारी बैंकों में कुल रिक्त पदों में सर्वाधिक संख्या एसबीआई की है, जहां 8,544 पद खाली हैं।

खेत को जलाने से भूमि की उर्वरता का होता है क्षरण, पराली न जलाए किसान- पीएम मोदी

आणंद ।

गुजरात के आणंद में प्राकृतिक खेती पर आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया और कहा कि इस दिशा में नए सिरे से शोध करने होंगे और प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक सांचे में ढालना होगा। इस दौरान पीएम मोदी ने पराली जलाने वाले किसानों को भी नसीहत दी। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमें खेती की तकनीक में होने वाली गलतियों से भी छुटकारा पाना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि खेत को जलाने से भूमि की उर्वरता का नुकसान होता है। लेकिन पराली जलाने की परंपरा बन गई है। मिट्टी तपती है तो ईंट बन जाती है।' उन्होंने कहा, ''यह सही है कि रसायन और उर्वरक ने हरित क्रांति में अहम रोल निभाया है लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हमें इसके विकल्पों पर भी साथ ही साथ काम करना होगा और अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, 'इससे पहले खेती से जुड़ी समस्याएं भी विकराल हो जाएं, बड़े कदम उठाने का यह सही समय है। हमें अपनी खेती को कैमिस्ट्री की लैब से निकालकर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ना ही होगा। जब मैं प्रकृति की प्रयोगशाला की बात करता हूं तो ये पूरी तरह से विज्ञान आधारित ही है।'

फिर वाराणसी आ रहे पीएम मोदी, 1500 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देने

वाराणसी । बाबा विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद पीएम नरेंद्र मोदी फिर से 23 दिसंबर को वाराणसी दौरे पर आ रहे है। इस दौरान काशी को 1500 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देने वाले है।जिसमें छह वार्डों के सुंदरीकरण, फोरलेन सड़कों के शिलान्यास सहित कई अन्य परियोजनाएं शामिल रहेंगी।पीएमओ इसकी समीक्षा करेगा। अभी सोमवार को ही पीएम मोदी काशी विश्वनाथ मंदिर के लोकार्पण के लिए दो दिवसीय प्रवास पर आए हुए थे। उन्होंने देश के 12 राज्यों के सीएम व उपमुख्यमंत्री के साथ गंगा घाटों की सुंदरता देखी। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर उन्हें काशी के विकास मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित किया।अब फिर से उनका 23 दिसंबर को दोबारा काशी आगमन होगा। इस दौरान वह खिड़किया घाट में छह वार्डों के सुंदरीकरण कार्य, बेनियाबाग में मल्टी लेवल पार्किंग सहित 800 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करने वाले हैं। इसके अलावा मोहनसराय-लहरतारा व चांदपुर फोरलेन सहित 700 करोड़ की परियोजना का शिलान्यास करने वाले है। प्रधानमंत्री कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। पीएमओ के सुझाव के बाद तैयारियों को अंतिम रुप दिया जाएगा।

नीलामी नियमों में संशोधन से खनिज ब्लॉक बिक्री में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी: सरकार

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार ने गुरुवार को कहा कि खनिज नीलामी नियमों में संशोधन से प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा, इससे ब्लॉक की बिक्री में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। खान मंत्रालय ने कहा कि उसने खनिज (खनिज सामग्री साक्ष्य) नियम, 2015 (एमईएमसी नियम) और खनिज (नीलामी) नियम, 2015 (नीलामी नियम) में संशोधन करने के लिए खनिज (खनिज सामग्री साक्ष्य) द्वितीय संशोधन नियम, 2021 और खनिज (नीलामी) चतुर्थ संशोधन नियम, 2021 को अधिसूचित किया है। संशोधन नियम राज्यों, उद्योग संगठनों, खनिकों, अन्य संबंधित पक्षों और आम जनता के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि एमईएमसी नियमों में संशोधन से नीलामी में हिस्सा लेने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति समग्र लाइसेंस की खातिर नीलामी के लिए उस उपयुक्त ब्लॉक का प्रस्ताव देने में सक्षम होगा, जहां उपलब्ध भू-विज्ञान डेटा के आधार पर ब्लॉक की खनिज क्षमता की पहचान की गई है। किसी भी राज्य द्वारा गठित समिति प्रस्तावित ब्लॉक की खनिज क्षमता का आकलन कर नीलामी के लिए खदान की सिफारिश करेगी।

इसके अलावा, नीलामी नियम में संशोधन यह प्रावधान करता है, कि अगर किसी व्यक्ति द्वारा प्रस्तावित ब्लॉक को नीलामी के लिए अधिसूचित किया जाता है, तो उस व्यक्ति को उन प्रस्तावित ब्लॉक की नीलामी में बोली संबंधी सुरक्षा राशि का केवल आधा जमा करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा, इन संशोधनों से नीलामी में अधिक भागीदारी और साथ ही प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा। इससे राज्य सरकारों को समग्र लाइसेंस की नीलामी के लिए और भी ब्लॉक की पहचान करने में मदद मिलेगी।

मध्यप्रदेश में रानी कमलापति का गिन्नौरगढ़ महल को लेकर सियासत

भोपाल ।

मध्यप्रदेश में आदिवासियों वोट बैंक को साधने के लिए सियासत जोरों पर है। गुरुवार को कांग्रेस ने शिवराज सरकार पर आदिवासियों को झूठे प्रलोभन दिखाकर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया।साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में रानी कमलापति का गिन्नौरगढ़ महल खंडहर हो रहा है। बता दें कि विधानसभा सत्र में महल का मुद्दे को लेकर रिपोर्ट रखने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश पर 5 सदस्यीय कमेटी सज्जन सिंह वर्मा, औंकार मरकाम, हीरालाल अलावा, पांचीलाल मेणा, बलवीर तोमर को शामिल कर बनाई गई। कमेटी ने महल के दौरे के लिए वन मंडल अधिकारी,औबेदुल्लागंज को आवेदन पत्र 13 दिसंबर 21 को दिया गया।वन मंडल अधिकारी ने बाघ मूवमेंट और बाघ गणना का हवाला देकर कमेटी में शामिल विधायकों के प्रतिनिधिमंडल को किले पर जाने की अनुमति नहीं दी।इसके बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया कि शिवराज सरकार आदिवासियों की इस गौरवशाली धरोहर को संभालने में पूर्णत असफल हुई है।इसलिए वहां किले पर जाने का प्रतिबंध लगाकर असफलता को छुपाना चाहती है। विधायक सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि आदिवासी संस्कृति और उसके गौरवशाली इतिहास की धरोहर रानी कमलापति के नाम पर हो रही राजनीति से बीजेपी का चाल, चरित्र और चेहरा दुबारा उजागर हुआ है। जिस बीजेपी को पिछले 18 वर्षो से कभी रानी कमलापति की याद नहीं आई, आज वहां उनके इतिहास को गौरवशाली बताकर और उनके नाम पर हबीबगंज स्टेशन का नामकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नामकरण, जिस खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और तमाम भाजपा नेतागण ही, भारत के पूर्व पीएम स्व.अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर करने की मांग कर रहे थे,उस सिर्फ राजनीतिक लाभ की दृष्टि से रानी कमलापति के नाम से कर के प्रदेश सरकार सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किले के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया है और किले की वास्तविक स्थिति हम जनता के सामने लाकर रहेगी।

सरकार कितने भी प्रतिबंध लगा ले हमारा संघर्ष जारी रहेगा और हम रानी कमलापति की इस गौरवशाली आखिरी धरोहर को यूं मिटने, बर्बाद होने नहीं देने वाले हैं।

इंद्राणी मुखर्जी का सनसनीखेज दावा, जीवित है शीना बोरा

तो सबसे बड़ा सवाल कि रायगढ़ के जंगल से मिले लाश केअवशेष शीना के नहीं थे, तो किसके थे

नई दिल्ली ।

महाराष्ट्र के सबसे हाई प्रोफाइल चर्चित मामले शीना बोरा मर्डर केस की मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी ने अपनी बेटी शीना बोरा के जीवित होने का सनसनीखेज दावा किया है। इंद्राणी ने सीबीआई निदेशक को एक चिट्ठी लिखकर दावा किया है कि उसकी बेटी शीना जिंदा है और वो इस वक्त कश्मीर है। अगर इंद्राणी की बात सच मान ली जाए तो सबसे बड़ा सवाल ये उठता है कि रायगढ़ के जंगल से मिले लाश के अवशेष शीना के नहीं थे, तो वो लाश किसकी थी? सीबीआई ने अपनी जांच में खुलासा किया था कि शीना बोरा की हत्या अप्रैल 2012 में की गई थी। उसकी लाश को रायगढ़ के पेन इलाके में जंगल के बीच दफ्न कर दिया गया था। यूं तो ये मामला महज एक राज ही बनकर रह जाता, लेकिन 23 मई 2012 को ही स्थानीय गांव वालों को जंगल के बीच दफनाई गई लाश का पता चल गया था। उन्होंने इस घटना की जानकारी पेन थाना पुलिस को दी थी।

तब पेन थाना पुलिस मौके पर पहुंची लाश को जमीन से निकाला। पहचान करने की कोशिश की। लेकिन कुछ पता नहीं चला। फिर लाश का परीक्षण किया गया। कुछ सैंपल लिए गए और फिर पुलिस ने लाश को दफ्न कर दिया। वक्त बीतता गया। लेकिन यह मामला साल 2015 के दौरान चर्चाओं में आ गया। क्योंकि मरने वाली लड़की शीना बोरा एक हाई प्रोफाइल परिवार की लड़की थी। जो हत्या से पहले ही घर से गायब चल रही थी। रायगढ़ के जगंल में मिले लाश के अवशेष शीना बोरा के ही थे। इस बात की पुष्टि एम्स की फोरेंसिक रिपोर्ट ने भी की थी। यह रिपोर्ट सीबीआई को सौंप दी गई थी। फोरेंसिक रिपोर्ट ने इस बात की तस्दीक कर दी थी कि रायगढ़ के जंगल में मिले लाश के अवशेष शीना बोरा के ही थे। इस रिपोर्ट को बनाने से पहले तीन तरह से जंगल में मिली लाश का परिक्षण किया गया था। तभी इस बात की पुष्टि गई थी। विशेषज्ञों ने सबसे पहले हड्डी का डीएनए परीक्षण किया था। उसके बाद दूसरे चरण में खोपड़ी के अवशेषों का परीक्षण किया गया। और तीसरे चरण में मौका-ए-वारदात पर मौजूद सबूतों की जांच और परीक्षण किया गया था। सभी नमूने शीना बोरा की लाश से मेल खा रहे थे। और सबसे अहम था शीना बोरा के शरीर से लिया गया डीएनए का नमूना। जिसकी जांच करने पर पता चला कि वो हत्या की मुख्य आरोपी इंद्राणी के डीएनए से मैच कर रहा था। इसके बाद विशेषज्ञों ने विस्तृत रिपोर्ट बनाई थी।

हिन्दू एकता महाकुंभ में आरआरएस प्रमुख भागवत का आव्हान,

हिन्दू धर्म छोड़ने वालों की घर वापसी कराए

चित्रकूट ।

चित्रकूट में चल रहे 3 दिवसीय हिन्दू एकता महाकुंभ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिन्दू धर्म छोड़ने वालों की घरवापसी का आह्वान किया है।उन्होंने कहा कि भय ज्यादा दिन तक बांध नहीं सकता है। हम लोगों को जोड़ने के लिए काम करने वाले है। महाकुंभ में शामिल हुए लोगों को उन्होंने इसका संकल्प भी दिलाया। आरएसएस प्रमुख भागवत ने संकल्प दिलाकर कहा, मैं हिन्दू संस्कृति का धर्मयोद्धा मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की संकल्प स्थली पर सर्वशक्तिमान परमेश्वर को साक्षी मानकर संकल्प लेता हूं कि मैं अपने पवित्र हिन्दू धर्म, हिन्दू संस्कृति और हिन्दू समाज के संरक्षण संवर्धन और सुरक्षा के लिए आजीवन कार्य करूंगा। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि किसी भी हिन्दू भाई को हिन्दू धर्म से विमुख नहीं होने दूंगा। जो भाई धर्म छोड़ कर चले गए हैं, उनकी भी घर वापसी के लिए कार्य करूंगा। उन्हें परिवार का हिस्सा बनाऊंगा। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि हिन्दू बहनों की अस्मिता, सम्मान व शील की रक्षा के लिए सर्वस्व अर्पण करूंगा। जाति, वर्ग, भाषा, पंथ के भेद से ऊपर उठकर हिन्दू समाज को समरस सशक्त अभेद्य बनाने के लिए पूरी शक्ति से कार्य करूंगा। बता दें कि हिन्दू महाकुंभ की शुरुआत मंगलवार को 1100 शंखों के नाद से हुई। इस दिवसीय महाकुंभ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अलावा देश की कई बड़ी हस्तियां मौजूद हैं। महाकुंभ का आयोजन तुलसीपीठाधीश्वर श्री रामभद्राचार्य कर रहे हैं।कार्यक्रम को श्री श्री रविशंकर ने संबोधित कर कहा कि कुछ लोग जुटते हैं,तब भय पैदा होता है। जबकि जहां संत और हिन्दू इक्टठा होते हैं वहां अभय मिलता है। उन्होंने कहा कि देश भक्ति और ईश्वर भक्ति एक ही है। जो देशभक्त नहीं है,वहां ईश्वर भक्त भी नहीं हो सकता। रविशंकर ने हिन्दू महाकुंभ के 12 मुद्दों का समर्थन किया। ये मुद्दे हैं, राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक श्रीराम मंदिर, देवस्थानों की परंपरा नष्ट कर रहा सरकारी नियंत्राण, धर्मांतरण की अंतर्राष्ट्रीय साजिश, देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून जरूरी, सामान नागरिकता का मिले अधिकार, लव जेहाद से युवा पीढ़ी में भटकाव, भारतीय दर्शन आधारित शिक्षा जरूरी, धर्म में व्यसन का त्याग हो अनिवार्य, गौरक्षा के हों ठोस प्रयास, मातृ शक्ति को सशक्त बनाना जरूरी, हिंदू धर्म के बारे में दुष्प्रचार बंद हो और पर्यावरण प्रदूषण पर रोक लगे।

संक्षिप्त समाचार

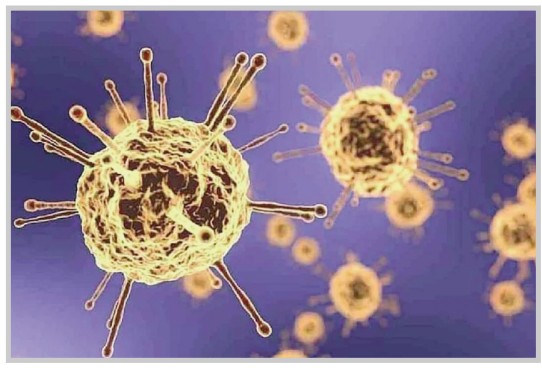

दिल्ली में ओमीक्रोन के 10 मामले सामने आए, एक मरीज ठीक होकर घर लौटा

नई दिल्ली । दिल्ली की आप सरकार में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली में अभी तक कोरोना के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन के 10 मामले सामने आए हैं।वहीं संदेह के आधार पर 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अस्पताल में भर्ती 40 लोगों में से 38 कोरोना से संक्रमित हैं। जैन ने कहा, दिल्ली में अभी तक ओमीक्रोन स्वरूप के 10 मामले सामने आए हैं। इनमें से एक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।''मंत्री ने बताया कि कई अंतरराष्ट्रीय यात्री इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर कोरोना से संक्रमित पाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा,इसतरह के आठ लोगों को आज (बृहस्पतिवार को) ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' जैन ने कहा था कि 'ओमीक्रोन के मामले अभी सामुदायिक स्तर पर नहीं फैले हैं और स्थिति अभी नियंत्रण में है। 'ओमीक्रोन' के सभी मरीजों की हालत भी स्थिर है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में कोरोना के 'ओमीक्रोन' स्वरूप से संक्रमित हुए पहले व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। तंजानिया से दो दिसंबर को दिल्ली लौटे 37 वर्षीय व्यक्ति इससे संक्रमित पाए गए थे, जबकि उनका पूर्ण टीकाकरण हो चुका था।

उत्तराखंड विस चुनाव- कांग्रेस-भाजपा 'आर्मी कार्ड' खेलने की फिराक में

नई दिल्ली। 2022में उत्तराखंड में विधानसभा चुनावों को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस पार्टी अपनी रणनीति बनाने में लगी है पर दोनों ही अब सैनिकों के मुद्दे पर केंद्रित होती दिख रही हैं। इसकी झलक गुरुवार को राहुल गांधी की देहरादून रैली में दिखी है। रैली के मैदान में राहुल गांधी के बड़े-बड़े कटआउट्स तो लगे ही हैं, लेकिन उनसे भी बड़े कटआउट देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के हैं, जिनका हाल ही में हेलिकॉप्टर क्रैश से निधन हुआ। बिपिन रावत का यह कटआउट राहुल गांधी और पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के कटआउट के साथ लगा था। ध्यान देने वाली बात यह है कि बिपिन रावत का कटआउट राहुल गांधी के कटआउट से बड़ा था। उत्तराखंड में सेवारत और पूर्व सैनिकों के परिवार चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे एक दिन पहले यानी बुधवार को ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देहरादून में युद्ध स्मारक की नींव रखी। इस युद्ध स्मारक के एंट्री गेट का नाम जनरल बिपिन रावत के नाम पर रखा गया है। सत्ताधारी बीजेपी ने इस दौरान करीब 200 शहीदों के परिवार को भी सम्मानित किया। राहुल गांधी भी बांग्लादेश की आजादी और पाकिस्तान पर भारत की जीत की पचासवीं वर्षगांठ यानी विजय दिवस, 16 दिसम्बर को देहरादून में रैली को सम्बोधित कर रहे हैं। इस रैली में बड़ी संख्या में पूर्व फौजी मौजूद रहेंगे। उत्तराखंड में बड़ी संख्या ऐसे वोटरों की है जिनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि फौज से जुड़ी है। जाहिर है बांग्लादेश की आजादी और उसमें इंदिरा गांधी का नेतृत्व की याद दिला कांग्रेस उत्तराखंड चुनाव में माहौल अपने पक्ष में करना चाहती है।

देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता में इजाफा, सात वर्षों में 4780 से बढ़कर हुई 6780 मेगावाट

नई दिल्ली। भारत परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर नए आयाम गढ़ रहा है। बीते सात सालों में देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। परमाणु ऊर्जा विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री (प्रधान मंत्री कार्यालय) डा. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता 4,780 मेगावाट से बढ़कर 6,780 मेगावाट हो गई है। लोकसभा में मंत्री ने कहा, 'भारत को स्थायी रूप से दीर्घकालीन ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने के लिए तीन चरणों के एक स्वदेशी परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम पर अमल किया जा रहा है। इसके साथ ही देश को स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराने के लिए विदेशी सहयोग पर आधारित लाइट वाटर रिएक्टर भी अतिरिक्त सुविधाओं के रूप में स्थापित किए जा रहे हैं।' परमाणु ऊर्जा वृद्धि पर एक अलग प्रश्न में डां जितेंद्र सिंह ने बताया कि कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र केकेएनपीपी 3 और 4 (2गुणा1000 मेगावाट) परियोजना को न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लि.(एनपीसीआईएल) द्वारा कार्यान्वित किया गया था, नवंबर 2021 तक 54.96 प्रतिशत की भौतिक प्रगति हासिल की है। केकेएनपीपी 3 और 4 परियोजनाओं को मार्च 2023 और नवंबर 2023 तक पूरी होने की उम्मीद है। फास्ट रिएक्टर फ्यूल साइकिल फैसिलिटी (एफआरएफसीएफ) परियोजना वर्तमान में परमाणु ऊर्जा विभाग, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, परमाणु रीसायकल बोर्ड द्वारा निष्पादित की जा रही है। उन्होंने कहा कि 30 नवंबर तक परियोजना की वित्तीय प्रगति 32 प्रतिशत है और परियोजना के दिसंबर 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश में यूरेनियम का सालाना उत्पादन सभी यूरेनियम आधारित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की वार्षिक ईंधन जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि थोरियम आधारित वैकल्पिक ईंधन की संभावना पर निरंतर विचार किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री नकवी बोले- लखीमपुर हिंसा मामले में कानून निष्पक्षता के साथ कर रहा है काम

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में हिंसा मामले में विरोधी दलों की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि लखीमपुर खीरी मामले में कानून आप अपना काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के निष्पक्षता के साथ कार्रवाई हो रही है और इस पर किसी के ज्ञान (विरोधी दलों) की जरूरत नहीं है। संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए नकवी ने कहा कि पार्लियामेंट को परिवार के पॉलिटिकल पाखंड की प्रयोगशाला नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनको लगता है कि इस तरह के पॉलिटिकल पाखंड और प्रपंच से संसद के कामकाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं, तो यह बिल्कुल गलत है। इससे परिवारवादी पार्टियों की नकारात्मकता का ही खुलासा हो रहा है। विरोधी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों ने तय कर रखा है कि उन्हें सदन में सिर्फ हंगामा ही करना है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

कृषि मंत्री ने की मोदी की तारीफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते सोमवार अपने ड्रीम प्रोजक्ट काशी विश्वनाथ धाम का उद्घाटन कर लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। यह परियोजना दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को कई सुविधाएं प्रदान करने के अलावा मंदिर परिसर को गंगा नदी से जोड़ती है। उद्घाटन के बाद एक तरफ जहां विपक्षों का कहना है कि पीएम ने इस परियोजना का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी को 'राजनीतिक बढ़त' दिलाने के लिए किया गया है। वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर पीएम की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। दरअसल उन्होंने गुजरात के आणंद में कहा एक तरफ ताजमहल बनाने वाले मजदूरों के हाथ काट दिए गए तो वहीं पीएम मोदी हैं जिन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाने वाले तमाम मजदूरों का आभार व्यक्त किया और उनपर फूल बरसाए उद्घाटन समारोह से पहले पीएम ने इस कॉरिडोर बनाने वाले सभी मजदूरों पर फूलों की वर्षा की। वहीं उद्घाटन के बाद उन्होंने दोपहर का भोजन भी उन्हीं मजदूरों के साथ किया। अपने भाषण में पीएम ने काशी को ''अविनाशी'' बताते हुए कहा था कि एक ''नया इतिहास'' बनाया जा रहा है और ''हम भाग्यशाली हैं कि इस इतिहास के साक्षी बन रहे हैं अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने आम लोगों से संपर्क करने के अलावा कई कार्यक्रमों में भाग लिया। वाराणसी के स्वर्वेद महामंदिर में सद्गुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान के 98वें वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, पुरातन को सहेज कर रखने और नयी चीजों को स्वीकारने से बनारस देश को एक नयी दिशा दे रहा है

'मेट्रो मैन' ई श्रीधरन ने सियासत से की तौबा, भाजपा के टिकट पर हार गए थे केरल विस चुनाव

नई दिल्ली ।

देश में मेट्रोमैन के नाम ख्यात ई. श्रीधरन ने सियासत से तौबा कर ली है। मलप्पुरम में अपने गृहनगर में मीडिया से बात करते हुए मेट्रोमैन ने कहा कि शायद बहुत से लोग नहीं जानते कि मैं अब 90 साल का हूं। उन्होंने कहा कि जहां तक मेरी उम्र मानी जाती है, मैं उन्नत अवस्था में हूं। जब मैं कहता हूं कि मैं सक्रिय राजनीति छोड़ रहा हूं, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं राजनीति से संन्यास ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि जब मैं चुनाव हार गया तो मुझे दुख हुआ, लेकिन अब मैं दुखी नहीं हूं क्योंकि एक विधायक होने के नाते आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। ई. श्रीधरन ने कहा कि भाजपा की राज्य इकाई का वोट शेयर 16 से 17 फीसदी था, लेकिन अब इसमें कमी आई है। श्रीधरन ने कहा कि मैं एक राजनेता नहीं था क्योंकि मैं एक नौकरशाह हूं और भले ही मैं राजनीति में सक्रिय नहीं होने जा रहा हूं पर मैं हमेशा अन्य तरीकों से लोगों की सेवा करता रहूंगा। मेरे पास तीन ट्रस्ट हैं और मुझे इसमें काम करना है। मेट्रोमैन ई. श्रीधरन केरल में विधानसभा चुनाव से पहले फरवरी में भाजपा में शामिल हुए थे। उन्हें केरल भाजपा में मुख्यमंत्री के रूप में देख जा रहा था और उन्होंने पलक्कड़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा।

प्राकृतिक खेती को बनाए जनआंदोलन, हर गांव इससे जुड़े : पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन बनाया जाए और इसे हर गांव से जोड़ा जाए। पीएम मोदी ने यह बात प्राकृतिक और जीरो बजट फार्मिंग पर गुजरात में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन पर कही। इस दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती के फायदों के बारे में बताया और कहा कि इसका सबसे ज्यादा लाभ छोटे किसानों को होगा। यह सम्मेलन 14 दिसंबर को शुरू हुआ था। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और नरेंद्र सिंह तोमर शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने वर्चुअली कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती से जिन्हें सबसे अधिक फायदा होगा, वो हैं देश के 80 फीसद किसान। वो छोटे किसान, जिनके पास 2 हेक्टेयर से कम भूमि है। इनमें से अधिकांश किसानों का काफी खर्च, केमिकल फर्टिलाइजर पर होता है। अगर वो प्राकृतिक खेती की तरफ मुड़ेंगे तो उनकी स्थिति और बेहतर होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि से जुड़े हमारे प्राचीन ज्ञान को हमें न सिर्फ फिर से सीखने की जरूरत है, बल्कि उसे आधुनिक समय के हिसाब से तराशने की भी जरूरत है। इस दिशा में हमें नए सिरे से शोध करके प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक फ्रेम में ढालना होगा। उन्होंने कहा कि केमिकल और फर्टिलाइजर ने हरित क्रांति में अहम रोल निभाया है लेकिन इसके विकल्पों पर भी साथ ही साथ काम करते रहने की जरूरत है। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि इस कान्क्लेव के दौरान हजारों करोड़ रुपये के समझौते पर भी चर्चा हुई है। उन्होंने कहा, खेती के अलग अलग आयाम हों, फूड प्रोसेसिंग हो या प्राकृतिक खेती हो ये विषय 21वीं सदी में भारतीय कृषि का कायाकल्प करने में बहुत मदद करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 6-7 सालों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, ये कान्क्लेव गुजरात में जरूर हो रहा है लेकिन इसका असर पूरे भारत के लिए है। भारत के हर किसान के लिए है। इसके साथ ही उन्होंने सभी राज्यों से प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन बनाने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हर पंचायत का कम से कम एक गांव जरूर प्राकृतिक खेती से जुड़े, ये प्रयास हम कर सकते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, प्राकृतिक खेती पर आयोजित प्रथम राष्ट्रीय संगोष्ठी में सभी का स्वागत करता हूं। पूरे देश में प्राकृतिक खेती को किसान अपनाए इसके लिए पीएम मोदी ने मुहिम को गति देने का निश्चय किया है। देश के किसान इसे अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, आजादी के बाद जीडीपी में कृषि के योगदान को सार्थक तरीके से बढ़ाने के रूप में पहल गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने की थी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, 'गुजरात खेती और सिंचाई की दृष्टि से बहुत अच्छा प्रांत नहीं माना जाता था, यहां पीने के पानी की कमी भी बहुत थी।

सरकारें तो बहुत आईं और गईं लेकिन नरेंद्र मोदी जी ने भागीरथ बनकर गुजरात में पानी को बढ़ाया और खेती को भी समृद्ध बनाने का काम किया।'

अमेरिका को अफगानिस्तान में 20 साल लगे भारत ने पाकिस्तान को 13 दिनों में हराया: राहुल गांधी

नई दिल्ली।

1971 में पाकिस्तान पर भारत की जीत और बांग्लादेश की आजादी के 50 साल पूरे हो गए हैं। इस युद्ध में भारत की जीत के लिए देश की एकता को वजह बताते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि भारत महज 13 दिन में इसलिए जंग जीतने में कामयाब रहा क्योंकि भारत एकजुट था। उन्होंने यह भी कहा कि आमतौर पर युद्ध महीनों और सालों चलते हैं, लेकिन भारत ने महज 13 दिनों में पाकिस्तान को झुका दिया। उन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिका को 20 साल लगने से भी इसकी तुलना की। कांग्रेस नेता ने देहरादून में कहा, ''पाकिस्तान ने 1971 की युद्ध में 13 दिन के भीतर सिर झुका लिया। आमतौर पर युद्ध 6 महीने, 1-2 साल लड़े जाते हैं। अमेरिका को अफगानिस्तान को हराने में 20 साल लगे, लेकिन पाकिस्तान भारत के सामने 13 दिनों में ही हार गया, क्योंकि भारत एकजुट था और एक बनकर खड़ा रहा। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, बांग्लादेश युद्ध को लेकर दिल्ली में एक कार्यक्रम हुआ। इसमें इंदिरा गांधी का कोई जिक्र नहीं किया गया। जिस महिला ने देश के लिए 32 गोलियां खाईं, उनका नाम आमंत्रण में नहीं था, क्योंकि यह सरकार सच से डरी हुई है। इससे पहले पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''1971 के युद्ध के शहीदों और योद्धाओं को याद करता हूं। भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी के कुशल नेतृत्व में लोकतंत्र के विचार को बचाने के युद्ध में विजय हासिल की थी। जय हिंद। कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से कहा, ''बहादुर भारतीय सेना शांति और समृद्धि की योद्धा है। भारतीय सेना के शौर्य और साहस ने शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उसका उदाहरण बांग्लादेश को पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति दिलाना है।''

ब्रिक्स संगठन देशों ने माना भारत की अध्यक्षता में संगठन के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत हुई

नई दिल्ली।

ब्रिक्स (ब्राजील,रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) में भारत की अध्यक्षता का कार्यकाल समापन के निकट पहुंचने के बीच, विकासशील देशों के संगठन के सदस्य देशों ने स्वीकार किया कि इस वर्ष संगठन के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत हुई। इस साल की गतिविधियों ने निरंतरता,समेकन और आम सहमति के सिद्धांतों को मजबूत करके सहयोग को बढ़ाया है। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स शेरपाओं और सूस शेरपाओं की चौथी और अंतिम समापन बैठक के दौरान इसका उल्लेख किया था। भारत के ब्रिक्स शेरपा के रूप में बैठक की अध्यक्षता सचिव (कांसुलर, पासपोर्ट, वीजा और प्रवासी भारतीय मामलों) संजय भट्टाचार्य ने की थी। ब्रिक्स में दुनिया के पांच सबसे बड़े विकासशील देश हैं, जो वैश्विक आबादी के 41 प्रतिशत, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 24 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 16 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में इस साल की गतिविधियों की समीक्षा की। भारत ने अपनी अध्यक्षता में संगठन के लिए विषय चुना था, निरंतरता, समेकन और आम सहमति की खातिर अंतर-ब्रिक्स सहयोग।भारत ने अपनी अध्यक्षता के लिए प्राथमिकता वाले चार क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की। इनमें बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार, आतंकवाद का मुकाबला, 'एसडीजी' प्राप्त करने के लिए डिजिटल और तकनीकी औजारों का उपयोग तथा लोगों से लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देना शामिल हैं।विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस साल ब्रिक्स की करीब 150 बैठकें और समारोह हुए, जिनमें से 20 मंत्रिस्तरीय थे। बयान में कहा गया कि बुधवार को हुई बैठक के दौरान 'ब्रिक्स गैवेल और हैंडओवर रिपोर्ट' चीन को सौंपी गई। अगले साल एक जनवरी से ब्रिक्स की अध्यक्षता चीन करेगा। चीन ने अपनी अध्यक्षता में ब्रिक्स की प्राथमिकताओं की भी जानकारी दी। उसमें कहा गया कि ब्रिक्स देशों ने 2021 में भारत की अध्यक्षता की सराहना की।

1971 की महाविजय दिवस पर वार मेमोरियल पहुंच पीएम मोदी ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली ।

भारत के सैनिकों के अदम्य साहस की शौर्य गाथाएं प्रेरणापुंज है। देश आज 1971 की महाविजय का जश्न मना रहा है। शहीदों को देश नमन कर रहा है। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली में स्थित वार मेमोरियल पहुंचे। उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्वर्णिम विजय मशालों' के सम्मान और स्वागत समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने 1971 की जंग के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वार मेमोरियल पर आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने लिखा, 'पूरे राष्ट्र की ओर से, मैं 1971 के युद्ध के योद्धाओं को सलाम करता हूं। नागरिकों को उन वीर योद्धाओं पर गर्व है, जिन्होंने वीरता की अनूठी दास्तां लिखी।' बता दें कि इससे पहले वार मेमोरियल पर मौजूद रहे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया था। बांग्लादेश के अस्तिव में आने के आज 50 साल पूरे हो चुके हैं। 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध को बांग्लादेश मुक्ति संग्राम भी कहा जाता है। इस दौरान पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों को जीत मिली थी। इस उपलक्ष्य में हर साल 16 दिसंबर को भारत में 'विजय दिवस' मनाया जाता है। इस खास अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर तमाम नेताओं ने देश के वीर जवानों को नमन किया है, जिन्होंने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 50वें विजय दिवस पर कहा, 'मैं मुक्तियोद्धाओं, वीरांगनाओं और भारतीय सशस्त्र बलों के वीरों द्वारा महान वीरता और बलिदान को याद करता हूं। हमने साथ मिलकर दमनकारी ताकतों से लड़ाई लड़ी और उन्हें हराया। ढाका में भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की उपस्थिति प्रत्येक भारतीय के लिए विशेष महत्व रखती है'। गृह

मंत्री अमित शाह ने कहा,'भारतीय सैनिकों के अद्भुत साहस व पराक्रम के प्रतीक 'विजय दिवस' की स्वर्ण जयंती पर वीर सैनिकों को नमन करता हूं। 1971 में आज ही के दिन भारतीय सेना ने दुश्मनों पर विजय कर मानवीय मूल्यों के संरक्षण की परंपरा के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा था। सभी को विजय दिवस की शुभकामनाएं। ''रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा,'स्वर्णिम विजय दिवस'' के अवसर पर हम 1971 के युद्ध के दौरान अपने सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान को याद करते हैं।

किसानों की घर वापसी के बाद दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे खुला

नई दिल्ली । कृषि से जुड़ी कई मांगों पर किसानों का आंदोलन खत्म होते ही करीब एक साल बाद गाजीपुर बॉर्डर, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर फिर से गाड़ियां दौड़ने लगी हैं। हालांकि अभी उस संख्या में गाड़ियां नहीं चल रहीं। नेशनल हाइवे ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया के कर्मचारियों द्वारा हाइवे की सफाई की जा रही है। वहीं अन्य समस्याओं पर भी काम किया जा रहा है। गुरुवार सुबह हाइवे पर गाड़ियां दौड़ने के सिलसिला शुरू हुआ और धीरे-धीरे गाड़ियों की संख्या हाइवे पर बढ़ गई।इसके अलावा हाइवे से निकलते ही टोल प्लाजा जो एक साल से बंद था, वो भी फिर से शुरू हो गया है और हाइवे से गुजरने वाली गाड़ियों की पर्चियां भी कटने लगी हैं। जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद प्रसाशन कोशिश कर रहा है कि आज शाम तक एक बार फिर पूर्ण रूप से हाइवे को खोल दिया जाए ताकि लोग सामान्य रूप से आवाजाही कर सकें। दरअसल दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे नेशनल हाइवे 24 और 9 पर किसान बीते एक साल से बैठे हुए थे, जो अब जा चुके हैं। इसके बाद नोएडा और गाजियाबाद से दिल्ली दफ्तर जाने वाले लोगों को अब लंबे जाम से नहीं जूझना पड़ेगा और अब एक बार फिर लोग आराम से दिल्ली जा सकेंगे। इससे पहले, कृषि कानून और अन्य मांगों पर सरकार के साथ सहमति बनने के बाद किसान दिल्ली सीमाओं से वापस अपने घर की ओर रवाना हो गए हैं। गाजीपुर बॉर्डर खाली करने से पहले किसानों ने सुबह हवन किया और सभी को धन्यवाद देते हुए बॉर्डर खाली कर दिया। इस अवसर पर राकेश टिकैत व अन्य किसान अब जीत का जश्न मनाते हुए बॉर्डर से मोदीनगर, मेरठ, दौराला टोल प्लाजा, मंसूरपुर होते हुए सौरम और अपने गांव सिसौली पहुंचें।

10 दिन में 4 बार यूपी जाएंगे पीएम मोदी लोगों को मिलेगी एक्सप्रेसवे और मेट्रो की सौगात

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है। वैसे ही सभी राजनीतिक पार्टिया भी एक्टिव हो गई है। बीते कुछ समय से यूपी की सियासी जमीन पर पीएम नरेंद्र मोदी भी काफी सक्रिय हैं। वहीं मिली जानकारी के अनुसार फिलहाल आने वाले 10 दिनों में यानी 18 से 28 दिसंबर के बीच पीएम 4 बार और यूपी का दौड़ा करेंगे। दरअसल 18 दिसंबर को पीएम शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस वे की आधारशिला रखेंगे, जिसके लिए उन्हें यूपी जाना पड़ेगा। बता दें कि योगी सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना गंगा एक्सप्रेस-वे 6 लेन का होगा। यह 594 किमी लंबा होगा जो मेरठ के बिजौली से शुरू होकर हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ होते हुए प्रयागराज के जुदापुर में समाप्त होगा। इसके अलावा 21 दिसंबर को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रयागराज आ सकते हैं। हालांकि अभी तक कार्यक्रम में उनके होने की स्योरिटी नहीं मिली है। सूत्रों के मुताबिक प्रयागराज में होने वाले कार्यक्रम में ढाई लाख महिलाओं को आमंत्रित किया गया है। वहीं 23 दिसंबर को एक बार फिर पीएम काशी यात्री पर रहेंगे। इस दिन वह छह वार्डों में किए जाने वाले कार्यों के साथ ही वह लहरतारा से मोहनसराय तक फोर लेन सड़क का शिलान्यास भी करेंगे। इस दिन पीएम काशीवासियों को 1500 करोड़ की सौगात देंगे।

लखीमपुर हिंसा मामले पर दोनों सदनों में भारी हंगामा

-कार्यवाही एक दिन के लिए स्थगित की गई

नई दिल्ली ।

यूपी के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले और सांसदों के निलंबन पर संसद के दोनों सदनों में लगातार विपक्ष का हंगामा जारी है। लोकसभा अध्यक्ष की समझाइस के बाद भी विपक्षी सांसदों पर कोई असर होता दिखाई नहीं दे रहा है। इस बीच विपक्ष लगातार सांसदों का निलंबन वापस लेने और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी को पद से हटाने की अपनी मांग पर अड़ा हुआ है। विपक्ष लखीमपुर खीरी मामले को किसानों की सुनियोजित तरीके से हत्या बता रहा है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने बताया कि सरकार लखीमपुर खीरी मामले में किसी भी तरह की बहस के लिए तैयार नहीं है। इस मामले पर गठित एसआइटी ने अपनी स्पेशल रिपोर्ट में साफ-साफ कहा है कि साजिश हुई है। ऐसे मुद्दे पर संसद बहस करने के लिए तैयार नहीं, ये काफी दुभाग्यपूर्ण है। सरकार को इस मुद्दे पर आगे आना चाहिए और बहस करनी चाहिए।

गुरुवार को संसद की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने फिर से केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे की मांग पर हंगामा किया जिसके चलते सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा कि हमें लखीमपुर खीरी में हुई हत्या के बारे में बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसमें सरकार के मंत्री की संलिप्तता थी और जिसके बारे में कहा गया है कि यह एक साजिश थी। किसानों की हत्या करने वाले मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। बुधवार को भी उन्होंने सदन की कार्यवाही स्थगित किए जाने के बाद कहा था कि विपक्ष टेनी का इस्तीफा लेकर ही दम लेगा। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को कमजोर करने के सरकार के प्रयासों पर चर्चा करने के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया है। तृणमूल कांग्रेस सांसद सुष्मिता देव ने लखीमपुर खीरी में किसानों की मौत पर चर्चा के लिए आज 16 दिसंबर को सुबह 11 बजे, दोपहर 12 बजे और दोपहर 2 बजे नियम 267 के तहत कामकाज स्थगित करने की मांग की है। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने लखीमपुर खीरी कांड को लेकर राज्यसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया और मांग की कि सरकार मंत्री अजय टेनी का इस्तीफा तुरंत ले।

दोपहर दो बजे के बाद जब दोनों सदनों की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो विपक्ष ने फिर से लखीमपुरी खीरी मामले में मंत्री के इस्तीफे की मांग कर हंगामा किया तो दोनों सदनों की कार्यवाही को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

पीएम किसान की 10वीं किस्त अब 25 दिसंबर को आने की उम्मीद

नई दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती के तौर-तरीकों पर आयोजित एक कृषि कार्यक्रम के समापन समारोह को 'ऑनलाइन' संबोधित किया। उम्मीद थी कि आज वह पीएम किसान की 10वीं किस्त जारी करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पीएम किसान सम्मान निधि से जुड़े 12 करोड़ से अधिक किसानों को अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। क्योंकि, राज्यों ने तो आरटीएफ साइन कर दिया है, लेकिन अभी तक एफटीओ जेनरेट नहीं किया जा सकता है। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान का जिक्र तो किया, लेकिन 10वीं किस्त के बारे में कोई जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा, 'बीते 6-7 साल में बीज से लेकर बाज़ार तक, किसान की आय को बढ़ाने के लिए एक के बाद एक अनेक कदम उठाए गए हैं। मिट्टी की जांच से लेकर सैकड़ों नए बीज तक, पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर लागत का डेढ़ गुणा एमएसपी तक, सिंचाई के सशक्त नेटवर्क से लेकर किसान रेल तक, अनेक कदम उठाए हैं। बता दें पिछले साल 25 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी ने किसानों के खातों में पैसे भेजे थे। उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्माम निधि योजना के तहत 18 हजार करोड़ रुपए जारी किए। पीएम किसान योजना की किस्त के तौर पर देश के करीब नौ करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 18 हजार करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। इसके बाद 31 मार्च 2021 तक इस किस्त के तहत 10,23,49,443 लाभार्थियों के खातों में पैसा पहुंच चुका है। बता दें पीएम किसान सम्मान निधि के तह केंद्र सरकार हर साल 6000 रुपये 2000-2000 की तीन किस्तों में किसानों के खाते में डायरेक्ट ट्रांसफर करती है। अब तक सरकार 9 किस्तें जारी कर चुकी है और इस योजना में 12 करोड़ से अधिक रजिस्टर्ड किसानों को इंतजार है। इस बार पीएम किसान सम्मान निधि योजना में एक बड़ा बदलाव किया गया है। किसानों को इकेवाइसी करना होगा।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com